दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः13 | ग्वालियर, 21 नवम्बर मंगलवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

संजय सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईड़ी को जारी किया नोटिस, दिसंबर में होगी अगली सुनवाई

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया है. इस मामले में अगली सुनवाई अब दिसंबर के दूसरे हफ्ते में होनी है. संजय सिंह शराब घोटाला केस में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है.सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ÷गिरफ्तारी को चुनौती देने की बजाय आपको निचली अदालत में जमानत का आवेदन देना चाहिए था. 4 अक्टूबर को उनकी गिरफ्तारी हुई थी. 20 अक्टूबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज की थी. हाई कोर्ट ने कहा था कि संजय सिंह की गिरफ्तारी कानून के आधार पर ही हुई है. जांच एजेंसी पर राजनीति के आधार पर काम करने का आरोप नहीं लगाया जा सकता.

क्या थी दिल्ली की शराब नीति-रेवेन्यू बढ़ाने और दिल्ली में शराब की कालाबाजारी पर लगाम लगाने के मकसद से अरविंद केजरीवाल की सरकार नई शराब नीति लेकर आई थी. 17 नवंबर, 2021 को दिल्ली में नई शराब नीति लागू की गई, लेकिन जल्द ही यह विवादों में आ गई और 30 जुलाई, 2022 को सरकार ने इसे वापस ले लिया. आप सरकार ने नीति लागू करने के पीछे तर्क दिया कि इससे रेवेन्यू बढ़ेगा और ब्लैक मार्केटिंग पर भी लगाम लगेगी.यह भी कहा गया कि ग्राहकों के लिए भी नीति फायदेमंद होगी. पॉलिसी के तहत, शराब की दुकानें आधी रात को भी खुली रह सकती थीं और स्टोर अपने हिसाब से आकर्षक ऑफर देकर शराब की बिक्री कर सकते थे. पॉलिसी के तहत शराब की सभी दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया. इसमें 32 जोन बनाए गए और हर जोन में 27 दुकानें खोली जा सकती थीं. इस तरह कुल 849 दुकानें खोली जानी थीं. नई शराब नीति के तहत लाइसेंस की फीस भी बढ़ाकर 25 लाख से 5 करोड़ रुपये कर दी गई.

देश को आजाद कराने वाली कांग्रेस है, मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान में साधा सियासी निशाना

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार (20 नवंबर) को बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि इनके लोगों ने देश के लिए कुछ नहीं किया है. सिर्फ बड़ी-बड़ी बाते करते हैं.मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान के हनुमानगढ़ में चुनावी रैली करते हुए कहा, देश को आजाद कराने वाली कांग्रेस है. बीजेपी और आरएसएस ने खून की बूंद का कतरा तक नहीं बहाया है. कितने बीजेपी के लोग जेल गए हैं. कितने बीजेपी के लोग देश के लिए लड़े हैं. कांग्रेस पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित सभी जगहों पर लड़ी है. पंडित जवाहरलाल नेहरू और बाबासाहेब आंबेडकर ने मिलकर देश का संविधान बनाया.

मल्लिकार्जुन खरगे ने क्या दावा किया-मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि राजस्थान में उनकी पार्टी ने जो चुनावी वादे किए हैं उन्हें पूरा किया जाएगा. कांग्रेस ने राज्य में सात गारंटियों की घोषणा करते हुए कहा है कि दोबारा सत्ता में आने पर वह इन्हें लागू करेगी.इन सात गारंटियों में परिवार की महिला मुखिया को 10,000 रुपये की वार्षिक सम्मान राशि देना, 1.05 करोड़ परिवारों को 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देना, पशुपालकों से दो रुपये प्रति किलो की दर से गोबर की खरीद, सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना का कानून बनाना, सरकारी कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को टैबलेट या लैपटॉप देना, प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रति परिवार

चंद्रबाबू नायडू को स्किल डेवलपमेंट केस में बड़ी राहत, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने दी रेगुलर बेल

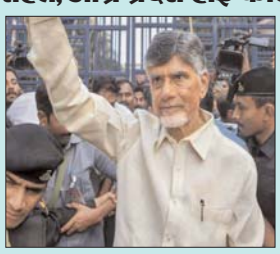

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने सोमवार (20 नवंबर) को स्किल डेवलपमेंट केस में पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू को रेगुलर जमानत दे दी. न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक नायडू 28 नवंबर तक अंतरिम जमानत पर हैं.इससे पहले अक्टूबर में तेलुगु देशम पार्टी (ञ्छक्क) प्रमुख को स्वास्थ्य आधार पर चार सप्ताह की सशर्त अंतरिम जमानत दी गई थी. उनके अधिवक्ताओं ने अदालत को सूचित किया कि नायडू को मोतियाबिंद सर्जरी कराने के लिए जमानत की जरूरत है.कोर्ट ने नायडू को एक लाख रुपये का जमानत बांड भरने का निर्देश दिया था. इसके अलावा अदालत ने टीडीपी प्रमुख को आत्मसमर्पण के समय केंद्रीय कारागार अधीक्षक को सीलबंद लिफाफे में इलाज और जिस अस्पताल में उनका इलाज हुआ, उसकी डिटेल उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया था.नायडू को कथित तौर पर 3,300 करोड़ रुपये के आंध्र प्रदेश स्किल डेवलपमेंट कोर्पोरेशनघोटाले के में गिरफ्तार किया गया था. यह घोटाला कथित तौर पर उस समय हुआ था जब वह आंध्र के मुख्यमंत्री थे.इस साल मार्च में आंध्र प्रदेश पुलिस के क्राइम इंवेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने मामले की जांच शुरू की थी. जांच में इंडियन रेलवे ट्रेफिक सर्विस के पूर्व अधिकारी अरजा श्रीकांत को भी नोटिस दिया गया था. श्रीकांत 2016 में के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे. स्थापना 2016 में नायडू के सीएम कार्यकाल के दौरान बेरोजगार युवाओं को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए स्किल ट्रेनिंग देकर करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए की गई थी. इसके लिए तत्कालीन नायडू सरकार ने3,300 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे.एमओयू में सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर इंडिया लिमिटेड और डिजाइन टेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल थे, जिन्हें कौशल विकास के लिए छह सेंटर स्थापित करने के लिए कहा गया था.

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली को दी बधाई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली को बधाई दी है.

पीएम मोदी ने सोमवार को अपने आधिकारिक ङ्क हैंडल से पोस्ट किया, जेवियर माइली को राष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए बधाई. भारत-अर्जेंटीना रणनीतिक साझेदारी में विविधता लाने और उसका विस्तार करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं. माइली ने रविवार को अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया. अपने धुर दक्षिणपंथी लोकलुभावन चुनावी अभियान के दौरान मिलेई ने बढ़ती मुद्रास्फीति और गरीबी से निपटने के लिए देश में बदलाव लाने का वादा किया था.अर्जेंटीना के चुनाव प्राधिकरण के अनुसार राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में कुल 99.4 प्रतिशत वोट में माइली को

55.7 प्रतिशत और वित्त मंत्री सर्जियो मासा को 44.3 प्रतिशत वोट मिले.प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार (20 नवंबर) को ल्यूक फाइडन को भी बधाई दी, जिन्होंने लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया है. पीएम मोदी ने कहा कि वह दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं.लक्जमबर्ग के वित्त मंत्री रह चुके ल्यूक फाइडन ने 17 नवंबर को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी. क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक पार्टी और पूर्व प्रधानमंत्री जेवियर बेटल की लिबरल पार्टी के बीच गठबंधन होने के बाद फाइडन को नेता चुना गया था.पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, ''लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने पर ल्यूक फाइडन को हार्दिक बधाई. लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन में हमारे साझा विश्वास में निहित भारत-लक्जमबर्ग संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की आशा करता हूं.''

दिल्ली में गली क्रिकेट खेलते नजर आए ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम रिचर्ड मार्ल्स

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने सोमवार (20 नवंबर) को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम परिसर में युवा क्रिकेटर्स के साथ बातचीत की और गली क्रिकेट भी खेला. इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई नेता ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली को पुष्पांजलि अर्पित की. अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे रिचर्ड मार्ल्स ने स्ट्रीट फूड टेस्ट किया और डिजिटल पेमेंट इंटरफेस के जरिए पेमेंट भी किया. इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधान मंत्री ने विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया और पुष्पांजलि अर्पित की.न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डा एस जयशंकर आस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स और विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ टू प्लस टू रक्षा और

विदेश मंत्रिस्तरीय वार्ता करेंगे. इससे पहले, रिचर्ड मार्ल्स ने कहा था कि भारत ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टॉप-टायर सिक्योरिटी पार्टनर है और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी सीधे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को लाभ पहुंचाती है. उन्होंने आगे कहा कि इस साल भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा संबंधों में कई चीजें पहली हुई. इनमें पर्थ की भारतीय पनडुब्बी की यात्रा और ऑस्ट्रेलिया का मालाबार अभ्यास की मेजबानी शामिल है. इससे पता चलता है कि दोनों देशों की बीच कितनी मजबूत रक्षा और सुरक्षा साझेदारी है. इस बीच विदेश मंत्री वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया हिंद महासागर, दक्षिण पूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लाभ के लिए भारत के साथ अपनी साझेदारी और ज्यादा मजबूत करना चाहता है. गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता सोमवार (20 नवंबर) को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित की जाएगी. इस दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी.

श्रीलंका और थाईलैंड के बाद अब इस देश में भारतीयों के लिए बगैर वीजा घूमने की संभावना

नई दिल्ली। श्रीलंका और थाईलैंड के बाद वियतनाम अब भारतीय यात्रियों को बगैर वीजा एंट्री देने वाला बड़ा डेस्टिनेशन हो सकता है. कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वियतनाम की स्थानीय समाचार एजेंसी वीएम एक्सप्रेस के मुताबिक, वियतनाम के संस्कृति, खेल और पर्यटन मंत्री गुयेम वान हंग ने पर्यटन सुधार को बढ़ावा देने के लिए भारत और चीन जैसे प्रमुख बाजारों के लिए शॉर्ट टर्म (अल्पकालिक) वीजा छूट का आह्वान किया है. अभी वियतनाम में केवल जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड के नागरिक ही बगैर बीजा प्रवेश कर सकते हैं. वियतनाम में वीजा छूट प्राप्त 13 देशों के नागरिकों के लिए रुकने की अवधि में तीन गुना विस्तार किया गया है, जो अब 45 दिन निर्धारित है. बता दें कि भारतीय यात्रियों के लिए पिछले कुछ महीने अच्छे रहे हैं. थाईलैंड और श्रीलंका दोनों ने वीजा भारतीय नागरिकों को वीजा छूट की घोषणा की है. थाईलैंड ने इसी 10 नवंबर से भारतीय यात्रियों के लिए वीजा की आवश्यकता खत्म कर दी थी. इस छूट के साथ भारतीय पर्यटकों को 30 दिनों तक रहने की अनुमति दी जाती है और अगले वर्ष 10 मई तक इसका लाभ उठाया जा सकेगा. थाईलैंड की सरकार ने यह भी कहा है कि मांग बढ़ने पर योजना को आगे बढ़ाने पर भी विचार किया जा सकता है. इसी साल अक्टूबर में श्रीलंका ने भी एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर भारत, चीन और रूस समेत सात देशों यात्रियों के लिए वीजा-फ्री एंट्री की पहल शुरू की. यह पहल 31 मार्च 2024 तक प्रभावी रहेगी. इसका मतलब है कि इस अवधि तक भारतीय यात्री बगैर वीजा श्रीलंका घूम सकते हैं.

साइप्रस को क्यों कहा जाता है टैक्स हैवन

नई दिल्ली। साल 2007 में साइप्रस ने गोल्डन पासपोर्ट नाम से एक योजना शुरू की थी. इसी योजना को साइप्रस इन?वेस?टमेंट प्रोग्राम नाम से भी जाना जाता है. इस योजना के तहत अलग-अलग देशों के रईस लोगों को साइप्रस की नागरिकता दी जाती थी. इस योजना के पीछे का मकसद साइप्रस में विदेशी निवेश बढ़ावा देना था. अब साइप्रस के सरकारी आंकड़े दिखाते हैं कि इस योजना के तहत यहां कुल 7,327 लोगों को पासपोर्ट दिया गया. जिनमें से सिर्फ 3,517 इनवेस्टर्स थे और बाकी बचे लगभग पांच हजार लोग उनके परिवार के थे. साइप्रस के गोल्डन पासपोर्ट योजना के तहत भारत ने भी अपने देश के 66 रईस भारतीयों को गोल्डन पासपोर्ट दिया है. हालांकि साइप्रस की गोल्डन वीजा स्कीम को भारत में साल 2020 में बंद कर दिया गया था. इस स्कीम को बंद करने के फैसले के पीछे एक कारण ये भी माना गया कि कथित रूप से आपराधिक आरोप, या पॉलिटिकली एक्सपोज्ड पर्सन गोल्डन पासपोर्ट लेकर वहां सुरक्षित रह सकते हैं.

महाराष्ट्र जल रहा है और चंद्रशेखर बावनकुले जुआ खेल रहे हैं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे की शिवसेना और बीजेपी के बीच वार-पलवाट जारी है. एक तरफ उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के प्रवक्ता संजय रावत ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि महाराष्ट्र जल रहा है और ये जुआ खेल रहे हैं. वहीं इसको लेकर बीजेपी ने पलटवार किया. सांसद संजय राउत ने सोशल मीडिया एक्स पर चंद्रशेखर बावनकुले के चेहरे से मिलती-जुलती एक तस्वीर डाली. उन्होंने कैप्शन में लिखा, महाराष्ट्र जल रहा है.. ये सज्जन मकाऊ के एक कैसीनो में जुआ खेल रहे हैं. फोटो को जूम करके देखिए. क्या वे वो ही है। पिक्चर अभी बाकी है. संजय रावत की तरफ से पोस्ट गई इस तस्वीर का जवाब देते हुए महाराष्ट्र बीजेपी ने भी एक पार्टी की फोटो डाली. इसमें एक फिल्मी अभिनेता और आदित्य ठाकरे नजर आ रहे हैं. इसमें आदित्य ठाकरे के हाथ में एक गिलास दिख रहा है. महाराष्ट्र बीजेपी ने इस तस्वीर के साथ मराठी भाषा में लिखा, हमारे प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने अपने जीवन में कभी जुआ नहीं खेला. यह वो क्षेत्र है जहां कि परिवार होटल में रह रहा है. हालांकि जिनकी जिंदगी दांव पर लगी है, वे इससे आगे नहीं देख सकते. बस एक बात बताओ संजू भाऊ आदित्य ठाकरे के इस गिलास में किस ब्रांड की व्हिस्की है। संजय रावत ने अपने ट्वीट की लास्ट लाइन में लिखा है की तस्वीर अभी बाकी है. ऐसे में यूबीटी और बीजेपी की तरफ से और भी फोटो सामने आ सकती है.

मैच देखने को ली थी काम से छुट्टी, टीम इंडिया की हार से टूटा दिल, युवक ने कर लिया सुसाइड

नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को खेले गए क्रिकेट वर्ल्ड कप के खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया था. इस हार से दुःखी पश्चिम बंगाल के एक 23 वर्षीय युवक ने कथित तौर सुसाइड कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. इस बाबत सूचना मृतक युवक के परिजनों ने पुलिस को दी. पुलिस ने बताया कि घटना बांकुड़ा जिले के बेलियाटोर थाना क्षेत्र के सिनेमा हॉल के पास रविवार (19 नवंबर) रात करीब 11 बजे की है. उन्होंने बताया कि मरने वाले युवक की पहचान राहुल लोहार के तौर पर की गयी है.

राहुल के एक रिश्तेदार उत्तम सूर ने बताया कि वह इलाके में एक कपड़े की दुकान पर काम करता था और फाइनल मैच देखने के लिए उसने रविवार को छुट्टी ली थी. सूर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार से दुःखी होकर उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली. सूर ने दावा किया कि उसके जीवन में ऐसी कोई

समस्या नहीं थी. पुलिस ने कहा कि राहुल के शव को सोमवार (20 नवंबर) सुबह पोस्टमार्टम के लिए बांकुड़ा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया है और अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने बताया कि घटना के समय घर में कोई नहीं था. पुलिस ने मौत के कारण पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि जांच चल रही है. इस बीच देखा जाए तो हार से निराश हुए क्रिकेटरों की हौसला अफजाई करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ड्रेसिंग रूम पहुंच गए थे. क्रिकेटर रवींद्र जडेजा ने पीएम मोदी के साथ सोशल मीडिया एक्स पर फोटो शेयर करते हुए लिखा कि हमारा टूर्नामेंट बहुत अच्छा था लेकिन कल हम हार गए. हम सभी दुःखी हैं लेकिन लोगों का समर्थन हमें हौसला दे रहा है. कल रविवार ड्रेसिंग रूम में पीएम मोदी का दौरा विशेष और बहुत प्रेरणादायक था.

सोजत के उज्ज्वल हुए बेस्ट स्टार्टअप अवार्ड से सम्मानित

पुष्पांजलि टुडे नेटवर्क संवाददाता नरेश कुमार सीरवी पाली राजस्थान

सोजत पाली। कचरा संग्रहण, विभाजन और निस्तारण हेतु स्टार्टअपद्धस्त्र को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्धत्नहृह्ल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट स्टार्टअप अवार्ड 2023 के तहत स्टार्टअप के निदेशक दिनेश उज्जवल को 19 नवंबर 2023 को दिल्ली में सम्मानित किया गया शैक्षिक मंत्रालय व ईग्नू द्वारा संचालित समर्थ के नेशनल सेंटर फॉर इनोवेशंस इन डिस्टेंस एड्यूकेशन द्वारा युवाओं मे स्वरोजगार और उद्यमिता का विकास करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट स्टार्टअप अवार्ड उप राज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना और वीसी प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा सम्मानित किया

गुंदोज की बेटी शीतल ने अपने जन्मदिन पर गाय को गुड़ खिलाकर गौशाला में मनाया जन्मदिन

पुष्पांजलि टुडे नेटवर्क पाली राजस्थान संवाददाता नरेश कुमार सीरवी
अजय कुमार जैन की ग्राउंड रिपोर्ट

जवाली गुंदोज के रोहिणी माता गुरु वल्लभ गौशाला में गुंदोज गांव की शीतल जीनगर ने अपने जन्मदिन पर का गाय को गुड खिलाकर जन्मदिन मनाया। वही शीतल जीनगर 17 वर्षीय ने बताया कि वह 11वीं क्लास में पढ़ती हूं। जीनगर के जन्मदिन पर उनके गुरुजी मनोज कुमार बोराणा जो कि जीव विज्ञान व्याख्याता हैं उन्होंने बताया कि मेरे जन्मदिन पर केक काटने की बजाय में हर साल पौधा रोपण करता हूं। गाय को गुड खिलाता हूं। आज उन्की प्रेरणा से गाय को गुड़ खिलाकर जन्मदिन मनाया। वहीं प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्म दिवस पर पार्टी के नाम पर कुछ पैसे खर्च करते हैं लेकिन हम कुछ दिनों में इसे भूल जाते हैं। यदि हम अपने जन्मदिन पर पौधे लगाकर गाय को गुड़ खिलाकर जन्मदिन मनाएंगे तो हमारी अलौकिक आनंद की अनुभूति भी होगी। मेरी तरह आप भी गाय को गुड़ खिलाकर जन्मदिन मनाएं।

चांचौड़ी में कॉग्रेस कार्यालय का हुआ उद्धघाटन ।

.पुष्पांजलि टुडे नेटवर्क संवाददाता नरेश कुमार सीरवी पाली राजस्थान

चाचोड़ी। चांचौड़ी के मुख्य गांधी चौक चौराहे पर कॉग्रेस कार्यकताओ द्वारा कार्यालय खोलकर ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा कॉग्रेस प्रत्याशी हरिशंकर मेवाड़ा के पक्ष में वोट करने की अपील की इस दौरान कांग्रेस सरकार की जनकल्याण योजना की मौजूद लोगों को विस्तार से जानकारी दी गई।। इस मौके पर जेठूसिंह चम्पावत ,गणेसिह पुनाडीया घीसाराम बामनिया सेवानिवृत्ति विकास अधिकारी , मोडाराम मीणा ।भंवरलाल मीणा , ढलाराम बाघेला , घीसुलाल चौहान, केसाराम बाघेला , हरिराम मीणा , जोराराम बाघेला , खंगारराम बामणिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

धर्म आराधना सतत करने से अपने स्वभाव में बदलाव आता हैं- मुनि राजपद्मसागर जी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे
नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूरू । श्री शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्ति पूजा जैन संघ एल.एन पुरम श्रीरामपुरम बेंगलुरु में मुनि राजपद्मसागर जी मुनिश्री श्रमणपद्मसागर जी के निश्रा में भव्यातिभव्य चातुर्मास पूर्णाहुति की और आगे बढ़ रहा है रविवार के दिन गुरुदेव का विदाई एवं बहुमान समारोह का आयोजन किया था, उसमें कहीं लोगों ने अपने भावों को प्रकट किया और कहीं सारी ऐसी जिंदगी का इस चातुर्मास में उद्धार हुआ है, और अनेक व्यक्तियों के जीवन में परिवर्तन आया है ,चातुर्मास ही एक परिवर्तनकारी है, क्योंकि इस चातुर्मास के दौरान किस तरफ से अपनी जिंदगी जीने का, जो हमें जन्म से जैन धर्म की जिनशासन की जो प्राप्ति हुई है, उसका कैसे हम उपयोग कर सके, उसके बारे में गुरुदेव ने चार महीने तक हम सबको सिखाया है तो वह सब बातें को श्रावक एवं

श्राविकाओंने श्रोता बोल माध्यम से सभी को अपने जीवन में आए हुए बदलाव को प्रस्तुत किया और मुनि श्रमणपद्मसागर जी ने भी कहा कि प्रवचन में आने से कितना बड़ा लाभ होता है, जो प्रभु को नहीं जानते थे, जो गुरु का परिचय नहीं था, और धर्म का भी परिचय नहीं था सभी को प्रवचन में आने से धर्म के बारे में परमात्मा के बारे में एवं गुरु के बारे में विस्तार से उनको समझ में आया है, तो यही हमारा चातुर्मास सफलता की और आगे बढ़ रहा है। विदाई समारोह में बहुत सारे भक्तों ने अपने अनुभव एवं प्रवचन से परिवर्तन एवं परिणाम के बारे में जानकारी प्रदान की। चातुर्मास में सहयोगी परिवारो का अभिनंदन किया गया। संघ सचिव नरेंद्र आछा ने बताया की पूज्य गुरुदेव का चातुर्मास आराधना साधना एवं पूजन के हिसाब से अतिश्रेष्ठ रहा। एवं दो रजत प्रतिमा भराने का लाभ भी सघं को प्राप्त हुआ ।

तीन दिसंबर को शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी में होगी मतगणना

मतगणना के लिए हरेक विधानसभा क्षेत्र की लगेगी 14-14 टेबलें, सबसे पहले शमशाबाद के नतीजे

सिरोंज/ विदिशा
रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 17 नवंबर को हुए मतदान की मतों (वोट) की गणना 3 दिसंबर को शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी में सुबह 8 बजे से होगी। मतगणना के लिए प्रत्येक विधानसभा की 14-14 टेबिले लगेंगी, जिस पर काउंटिंग सुपरवाइजर, असिस्टेंट, माइक्रो आब्जर्वर, आरओ, एआरओ मिलाकर 5 लोगों की ड्यूटी लगेगी। पहले डाक मत पत्रों की गिनती होगी। फिर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में फीड मतों (वोट) की गणना होगी। सबसे छोटा विधानसभा क्षेत्र है, इसलिए संभावना है कि सबसे पहले इसी विधानसभा क्षेत्र के परिणाम संभवतः सबसे पहले सामने आएंगे। वहीं कुरवाई (अजा) में विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 296 मतदान केन्द्र होने के फलस्वरूप यहां के परिणाम सबसे आखिरी में आएंगे। मतगणना 22 चक्रों में पूरी होने की संभावना है। शाम 6 बजे तक परिणामों की घोषणा हो जाएगी। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि जिला निर्वाचन कार्यालय मतगणना के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का कार्यक्रम बना रहा है। डाक मत पत्रों की संख्या है 7448 इस चुनाव में डाक मत पत्र से लोगों ने मतदान किया है। इनमें मतदानकर्मियों की संख्या 6770 और घर बैठे मतदान करने वाले 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के 219 वरिष्ठजन एवं दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 54 इसके अलावा 405 सर्विस वोटर शामिल है। ईवीएम में मत देने वालो की संख्या 10 लाख 94 हजार 901 में से 8 लाख 69 हजार 625 के द्वारा ईव्हीएम के माध्यम से मतदान किया गया है जो 79.42 प्रतिशत है। कुल ईव्हीएम के माध्यम से मतदान करने वाले कुल मतदाताओं में से 4 लाख 68 हजार 742 पुरूष तथा 4 लाख 864 महिला मतदाताओं के अलावा 19 अन्य शामिल है। गौरतलब हो कि विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के कुल मतदान केन्द्र 1338 की ईव्हीएम जाफरखेड़ी के शासकीय आदर्श महाविद्यालय के स्ट्रांग रूम में सील्ड की गई है। स्ट्रांगरूम की सुरक्षा केंद्रीय, राज्य और जिला स्तरीय सुरक्षा बल चौबीसों घंटे कर रहे है। वहीं सम्पूर्ण सुरक्षा की सीसी कैमरे से सीधी निगरानी की जा रही जिसका लाइव प्रसारण मुख्य प्रवेश द्वार पर लगे टीव्ही स्क्रीन पर देखा जा रहा है।

कलेक्टर और एसपी ने स्ट्रांग रुम का किया निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान के लिये उपयोग की गई पोल्ड ईवीएम को जिला मुख्यालय में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में कड़ी सुरक्षा के साथ चौबीसों घंटे की निगरानी में विधानसभावार बने स्ट्रांग रुम में रखा गया है। सोमवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने स्ट्रांग रुम स्थल पहुंचकर निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही स्ट्रांग रुम परिसर की सुरक्षा संभाल रहे जवानों को सजगता के साथ स्ट्रांग रुम की निगरानी बनाये रखने के निर्देश दिये। गौरतलब है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये मतदान 17 नवंबर को संपन्न हो चुका है। सतना और मैहर जिले की सभी सात विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रो में मतदान पश्चात शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में ईवीएम और वीवीपैट को विधानसभावार ए और बी स्ट्रांग रूम में रखा गया है। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में स्थापित ईवीएम/वीवीपैट के स्ट्रांग रूम का प्रतिदिन सुबह एवं शाम अनिवार्य रूप से निरीक्षण करना सुनिश्चित करेंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने सतना और मैहर जिले की सभी सातों विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर्स को प्रतिदिन निरीक्षण करने के लिये आदेशित किया है। स्ट्रांग रूम की लॉगबुक, नियुक्त सुरक्षा का ड्यूटी रजिस्टर संधारित किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी सतत निगरानी की जा रही है। इसकी प्रतिदिन की जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश को उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले के विधानसभा क्षेत्र अटेर में मतदान केंद्र 71 पर मतदान अभिकर्ता की अधिकतम संख्या 06 निर्धारित

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्र पर पर्याप्त स्थान नहीं होने पर दिया आदेश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 09-अटेर के मतदान केंद्र क्रमांक 71 किशूपुरा में मतदान केंद्र के भीतर पर्याप्त स्थान मतदान अभिकर्ता के बैठाने हेतु उपलब्ध नहीं हो पाएगा।जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने विधानसभा क्षेत्र 09-अटेर के मतदान केंद्र क्रमांक 71 किशूपुरा पर मतदान अभिकर्ता की अधिकतम संख्या 06 निर्धारित की है।उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र पर मतदान अभिकर्ता की अधिकतम संख्या 06 निम्न प्राथमिकता अनुसार निर्धारित की गई है जिसके अंतर्गत मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल के अभ्यर्थी, मान्यता प्राप्त राज्य दल के अभ्यर्थी, अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त राज्य दलों के अभ्यर्थी जिन्हें चुनाव चिन्ह उपयोग करने की अनुमति दी गई है, पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों के अभ्यर्थी एवं निर्दलीय अभ्यर्थी शामिल हैं।

केशव माधव गौशाला में धूमधाम से मनाया गया गोपाष्टमी पर्व

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना - विश्व हिन्दू परिसद द्वारा संचालित केशव माधव गौशाला बगहा में धूमधाम से गोपाष्टमी पर्व मनाया गया गोपाष्टमी के एक दिन पूर्व अखंड मानस का पाठ आयोजित किया गया था जिसका आज गोपाष्टमी के दिन समापन हुआ तत्पश्चात गो पूजन कर गोवर्धन जी एवं गौमाताओं को 56 भोग लगाया गया तथा सामूहिक हवन हुआ व एकल विद्यालय की तरफ से गो महिमा का कार्यक्रम एवं मातृशक्ति की बहनों द्वारा भजन कीर्तन संपन्न हुआ तत्पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों गौभक्तो ने गौपूजन कर प्रसाद ग्रहण किया कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सांसद गणेश सिंह , महापौर योगेश ताम्रकार , भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा , युवामोर्चा जिलाध्यक्ष सौभाग्य केशरी , जितेंद्र जैन , लवकेश त्रिपाठी , अशोक गुप्ता , लखन केशरवानी , योगेश तिवारी , सागर गुप्ता , राजबहादुर मिश्रा , विपिन सिंह , डोली शर्मा , हरिओम गुप्ता , राजीव गुप्ता , राम जी गुप्ता , , नरेश शुक्ला , विजय गुप्ता , अमित कामरानी , सचिन शुक्ला , अबीर दुवेदी , अरुण पांडेय , जगदीश कश्यप , गुड्डा शुक्ला , अंशू तिवारी , शारदा तिवारी , सतेंद्र दुवे, घनश्याम सोनी , गोपाल धूत , कैलाश गुप्ता , मनीष शर्मा , संजय पटेल , शिब्बू त्रिपाठी , जान्हवी त्रिपाठी , मीनाक्षी नेमा , नीता सोनी , सुषमा मिश्रा , अंजली मिश्रा , अनंत मिश्रा , आदर्श त्रिपाठी , सूजल बाल्मीक , शुशील त्रिपाठी , कमलेश बाबू , संतोष कुशवाहा सहित उपस्थित रहे

एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 30 नवम्बर तक पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 30 नवम्बर की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी की गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126'क' में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो ऐसी अवधि के कारावास से जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

जयकारों के साथ तस्वीर, अखंड ज्योत की हुई स्थापना

समाज के लिए प्रेरक बनेगा तूमकूर सीरवी समाज छात्रावास भवन :दीवान माधवसिंह

दैनिक पुष्पाजंली टुडे
नारायणलाल सेंणचा

तूमकूर। सीरवी समाज ट्रस्ट तूमकूर के तत्वाधान में धर्मगुरू दीवान साहब के सानिध्य में नवनिर्मित भवन उद्घाटन, आईमाता जी के पाट व तस्वीर तथा अखंड ज्योत स्थापना का कार्यक्रम 19.11.2022 रविवार को माताजी जयकारों के साथ हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। प्रातः पंडित शिवश्री विनोद दीक्षित के नेतृत्व में ब्रहम मुहूर्त में लाभार्थी परिवार ने जयकारों बीच समाज की आराध्य देवी आईमाता की तस्वीर स्थापना की। दीवान माधवसिंह की उपस्थिति में अन्य देवी देवताओं की तस्वीर स्थापना भी की गई। इसके बाद जयकारों के साथ अखंड ज्योत और पाट भी विधि-विधान पूर्वक स्थापित किए गये। विभिन्न चढ़ावों के लाभार्थियों ने देवी देवताओं तस्वीर पर तीलक भोग व हार अर्पित किए। दीवान साहब के तिलक व बधावा के लाभार्थी हेमराज़ सेणचा, हवन मुख्य यजमान के लाभार्थी चिमनाराम भायल, अखंड ज्योत के लाभार्थी कुशालराम सेपटा, माताजी के तस्वीर के लाभार्थी अध्यक्ष मदनलाल राठौड़ महाप्रसाद के लाभार्थी रतनलाल सेणचा ,पूनाराम परिहार , मंगलाराम काग, तुलछाराम गहलोत, (आईजी ग्रुप धोलेरा) ने चढ़ावा लिया । बाद में भवन उद्घाटन किया गया। भवन में आयोजित धर्मसभा में संस्था के अध्यक्ष मदनलाल राठौड़ ने आगतुगों का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष हेमराज सेंणचा ने सभी को धन्यवाद दिया। समारोह में दीवान माधवसिंह ने समाज के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए माता की भक्ति में सदैव अग्रसर रहने की प्रेरणा दी।ट्रस्ट की ओर से धर्मगुरू दीवान एवं पुना बाबा जी का सम्मान किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप धर्मेंद्र सीरवी आइएस रेल्वे सीनियर अधिकारी , दिनेश राठौड़ , महेंद्र राठौड़ थे। धर्मेंद्र सीरवी आइएस ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति और व्यक्तित्व का विकास संभव है। बिना शिक्षा के व्यक्ति का समुचित विकास नही हो पाता है। समाज की ओर से धर्मेंद्र सीरवी, दिनेश, महेंद्र का माल्यार्पण कर ,शाल ओढ़ाकर व प्रतिक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। चढ़ावों के लाभार्थियों एवं अन्य क्षेत्रीय वडेरों के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। बालिकाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष हेमराज सेंणचा ने किया। कार्यक्रम में अन्य सहयोगियों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मदनलाल राठौड़ ने स्वागत किया। और

संस्था के सचिव रतनलाल सैणचा ने सभा में सभी मेहमानों का अभिनंदन किया । इसमे उपाध्यक्ष भंवरलाल मुलेवा, सहसचिव केवलचंद चोयल, कोषाध्यक्ष सोहनलाल सैणचा,सह-कोषाध्यक्ष धर्माराम बर्फा, पूर्व अध्यक्ष चिमनाराम भायल, मलाराम एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य,नवयुवक मंडल, महिला मंडल, गेर मंडल सहित समाज के अनेक गणमान्य एवं राज्य के विभिन्न क्षेत्रों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जिले में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है रासायनिक उर्वरक

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास अधिकारी मनोज कश्यप ने बताया कि रबी सीजन के लिये जिले के डबल लॉक केंद्रों, सिंगल लॉक केंद्रों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास पर्याप्त मात्रा में रासायनिक उर्वरक उपलब्ध हैं। उन्होने बताया कि डबल लॉक केंद्र (सिविल लाईन सतना, शेरगंज, नागौद, उचेहरा, अमरपाटन, देवराजनगर एवं मैहर) में यूरिया 4071.975 मीट्रिक टन, डी.ए.पी. 1014.55 मी.टन, पोटास (एम.ओ.पी) 56.25 मी.टन, एन.पी.के. 1215.05 मी.टन, ए.पी.एस. (20:20:0:13) 4 हजार मी.टन एवं एस.एस.पी. 788.7 मी.टन उपलब्ध है। इसी प्रकार जिले के सिंगल लॉक केन्द्रों में यूरिया 696.657 मी.टन, डी.ए.पी. 524.3 मी.टन, एन.पी.के. 80.725 एवं एसएसपी 277.3 मी.टन तथा जिले के निजी उर्वरक विकेताओं के पास यूरिया 4689.245 मी.टन, डीएपी 1115.15 मी.टन, पोटास (एम.ओ.पी.) 89.655 मी.टन, एन.पी.के. 1412.4 एवं एस.एस.पी. 1820.1 मी.टन उपलब्ध है।किसान उर्वरक संबंधी समस्या के लिये कृषि अधिकारियों के मोबाईल पर कर सकते हैं संपर्क उप संचालक मनोज कश्यप ने बताया रबी फसलों में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने रैक की मांग की जा रही है। साथ ही यह भी देखा गया है कि जिले के कृषक अपने क्षेत्र के नजदीकी उर्वरक विक्रय केंद्र से उर्वरक न लेकर सतना के विपणन संघ पर एकत्रित होते हैं। उन्होने जिले के किसानों से अपील की है कि उर्वरक विक्रय केंद्रों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। जिले के किसान अपने नजदीकी उर्वरक विक्रय केंद्र से निर्धारित दर पर उर्वरक खरीद सकते हैं। उन्होने बताया कि जिले के किसानों के लिये उर्वरक विक्रय से संबंधित समस्या के बारे में सूचित करने विकासखंडवार कृषि अधिकारियों के मोबाईल नंबर जारी किये गये हैं। जिन पर संपर्क कर किसान अपनी समस्या से अधिकारियों को अवगत करा सकते हैं। उप संचालक श्री कश्यप ने बताया कि सोहावल के कृषक कृषि विस्तार अधिकारी राजलालन बागरी के मोबाईल नंबर 9754043499, रामपुर बघेलान और मझगवां के कृषक कृषि विस्तार अधिकारी एके निगम के मो.नं. 7389561288, नागौद के कृषक कृषि अधिकारी एसके चौहान के मो.नं. 9993825588 पर संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार उचेहरा के कृषक विजय कुमार त्रिपाठी के मो.नं. 9425868918, अमरपाटन के कृषक केपी पांडेय के मो.नं. 7974631773, रामनगर और मैहर के कृषक विष्णु कुमार त्रिपाठी के मो.नं. 9425886587, मझगवां के कृषक जयनारायण पांडेय के मो.नं. 8085135881 तथा सतना, नागौद और अमरपाटन के कृषक उर्वरक संबंधी समस्या के लिये अनुविभागीय अधिकारी (कृषि) आरएस बागरी के मोबाईल नंबर 9424350209 पर संपर्क कर सकते हैं।

पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा की कार्यशैली बनी सबके लिए नजीर

पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा इस समय चर्चा में है,इसका कारण है उनका सबसे बेहतरीन तालमेल, गंभीरता,सूझबूझ और प्रशासनिक दक्षता

संवादाता हरिओम परिहार
खास रिपोर्ट

आपको बता दें कि हाल ही में प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं,इसी क्रम में शिवपुरी जिले की पिछोर सीट अति संवेदनशील थी,तहसील से लेकर ऊपर स्तर तक इस सीट को लेकर सभी के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी गई परंतु एसडीएम और एसडीओपी की जोड़ी ने इस सीट पर निर्विघ्न चुनाव संपन्न करवाकर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा लिया।श्री शर्मा ने चुनाव से एकदिन पूर्व कहा था कि वो निर्विघ्न चुनाव संपन्न करवाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं,पिछोर के 297 मतदान केन्द्रों की सुरक्षा का जिम्मा उनके कंधों पर था,श्री शर्मा ने हर शिकायत को गंभीरता से लिया और स्वयं हर बूथ पर पहुंचे,सबकुछ शांति से हो जाए इसके लिए वो दोनो दिग्गज नेताओं को नजरबंद करने से भी पीछे नहीं हटे।वैसे तो श्री शर्मा अपने सौम्य स्वभाव के लिए जाने जाते हैं परंतु चुनाव में कहीं कहीं उनका दूसरा रूप भी देखने को मिला,वो खुद सड़कों पर उतरे,फ्लैगमर्च किया, वाहन चैकिंग की,जिलाबदर और गुंडे बदमाशों के घर जा जाकर उन्हें तलाशा,बहरहाल सब कुछ ठीक रहा तो पिछोर की जनता ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर श्री शर्मा का हृदय से धन्यवाद दिया है।श्री शर्मा ने हमारे संवाददाता को बताया कि ये सब टीम वर्क से संभव हो पाया,उन्होंने बताया कि उन्होंने पिछले कई दिनों और रातों में लगातार काम किया,दीपावली जैसा महत्वपूर्ण त्योहार नहीं मना पाया परंतु चुनाव अच्छे से हो गया इसे उन्होंने अपना परितोषक माना।उन्होंने बताया कि एसपी सर और कलेक्टर सर का लगातार मार्गदर्शन मिला ,एसडीएम साहब का भरपूर सहयोग मिला और सभी थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारी और बीएसएफ और पुलिस के साथियों को उन्होंने अपनी सफ़लता का श्रेय दिया है।

इंजीनियरिंग कालेज में 3 दिसम्बर को होगी मतगणना

पुष्पांजली टुडे

रीवा तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 दिसम्बर को इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। मतगणना प्रातः 8 बजे से आरंभ होगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। प्रत्येक मतगणना कक्ष में 14 टेबुलों में मतगणना होगी। प्रत्येक चक्र में 14 मतदान केन्द्रों की गणना की जाएगी। प्रत्येक टेबुल में मतगणना सहायक, माइक्रो प्रेक्षक, सुपरवाइजर तैनात रहेंगे। सबसे पहले रिटर्निंग आफीसर की टेबुल में डाक मतपत्रों की गणना शुरू होगी। इसके लिए अलग से मतगणना टीम तैनात रहेगी। अंतिम परिणाम मिलने तक मतगणना लगातार जारी रहेगी। मतगणना केन्द्र में केवल वैध प्रवेश पत्रधारियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। मतगणना की विधानसभावार तथा चक्रवार जानकारी देने के लिए मीडिया सेंटर बनाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग से प्राधिकार पत्र प्राप्त पत्रकारों को मीडिया सेंटर में जाने की अनुमति होगी। मतगणना केन्द्र में उम्मीदवारों तथा उनके मतगणना एजेंटों को प्रवेश करने की अनुमति रहेगी। मतगणना की चक्रवार जानकारी देने के लिए पृथक से टीम तैनात की जाएगी। मतगणना पूरी होने के बाद संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर विजेता प्रत्याशी को निर्धारित प्रपत्र में प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। मतगणना के लिए इंजीनियरिंग कालेज में मतगणना कक्ष तैयार किए जा रहे हैं।

ईवीएम का डिस्पले पैनल देख सकेंगे उम्मीवार के एजेंट

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा के लिए 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के दौरान ईवीएम के कन्ट्रोल यूनिट पर रिजल्ट बटन दबाते समय प्रत्याशियों के एजेंट को डिस्पले पैनल दिखाने के निर्देश दिये हैं। मतगणना सुपरवाइजर यह सुनिश्चित करेंगे कि एजेंटों को डिस्पले पैनल दिखाया जाए ताकि वे प्रत्येक प्रत्याशी के पक्ष में डाले गये वोट की गिनती कर सकें, जो कन्ट्रोल यूनिट के डिस्पले पैनल पर प्रदर्शित होंगी। मतगणना सहायक को कंट्रोल यूनिट को इस प्रकार उठाकर रखना होगा कि डिस्पले पैनल न सिर्फ मतगणना का सुपरवाइजर बल्कि मतगणना टेबिल पर बैठे दूसरे मतगणना सहायक, माइक्रो आब्जर्वर और जाली की दूसरी ओर बैठे प्रत्याशी के एजेंट को भी दिखाई दे। यदि कोई एजेंट ईवीएम पर एक बार से अधिक रिजल्ट देखने की इच्छा व्यक्त करेगा तो मतगणना सुपरवाइजर को उसके संतोष के लिए फिर से रिजल्ट दिखाना होगा। जब प्रत्येक मतदान की टेब्युलेशन शीट (फार्म 17-सी) रिटर्निंग ऑफिसर की मेज पर आ जाती है तो रिटर्निंग ऑफिसर का कर्तव्य होगा कि रिटर्निंग ऑफिसर टेबिल पर बैठे प्रत्याशी उसके एजेंट मतगणना एजेंट को प्रत्येक प्रत्याशी के रिजल्ट को नोट करने दे। चक्रवार परिणाम पत्रक की प्रतियाँ रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा प्रत्याशियों तथा उनके चुनावी एजेंट को दी जाएगी। चक्रवार परिणाम पत्रक की प्रतियाँ, उस चक्र का परिणाम रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा घोषित होते ही दी जाएंगी। मतगणना की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाई जायेगी।

नेशनल लोक अदालत 9 दिसंबर को,आपसी सुलह से होगा प्रकरणों का निराकरण

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आगामी 9 दिसंबर को जिला न्यायालय परिसर रीवा तथा तहसील न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस लोक अदालत में प्रकरणों की सुनवाई के लिए खण्डपीठों का गठन किया जायेगा। जिनमें प्रकरणों की सुनवाई के लिए पीठासीन अधिकारी तथा उन्हें सहयोग देने के लिए अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता रहेंगे। लोक अदालत में बीमा, विद्युत मण्डल, नगर निगम, दुर्घटना बीमा, श्रम, बैंकों से संबंधित मामले सहित विभिन्न प्रकरणों की सुनवाई करके निराकरण किया जाएगा।

आत्मा का एक ही आभूषण है सभी से अनन्य प्रेम

हम जब अपना जीवन सिर्फ दैहिक स्तर चढ़ावा चढ़ाया यह सब भगवान नहीं

पर जीते हैं तब एक शुष्कता व स्वार्थपरता हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन जाती है। परंतु आत्मज्ञान की प्राप्ति हमें इस सत्य का परिचय प्रदान करती है कि आत्मा का एक ही आभूषण है प्रेम, सभी से अनन्य प्रेम, क्योंकि प्रेम में जो शक्ति है वह कहीं नहीं। सभी महापुरुषों ने कहा है कि परमात्मा केवल प्रेम की भाषा ही जानते हैं, आप ने कितना दान किया आपने कितना जानते । भगवान तो यह जानते हैं कि सब उनके बच्चे। हम सब परमात्मा के ही यंत्र हैं प्रेम के यंत्र हैं। परंतु सांसारिक जीवन में हमारा प्रेम निर्लिप्त नहीं रह पाता हम जिसे प्रेम करते हैं उसे अपने ढंग से चलाना चाहते हैं चाहे वे परिवार के सदस्य हों, मित्रगण हों अथवा अन्य व्यक्ति। हम उनकी अच्छाई व बुराई में स्वयं को लिप्त कर लेते हैं। श्री माताजी कहती हैं कि, लिप्त प्रेम ही प्रेम की मृत्यु है। अतः हमें इस निर्लिप्त प्रेम को सही रुप में समझना होगा, जिसमें आप अपने गौरव में खड़े होते हैं, और आपको हरेक व्यक्ति के प्रति संवेदना होनी चाहिए, हरेक के बारे में सोचना चाहिए....।..जब कभी आप ऐसा समझते हैं कि कोई व्यक्ति ठीक नहीं है, तो आप अपना संतुलन न खोएं, अपितु आप उस व्यक्ति को संतुलन में लेकर आएं। यदि आप अपना संतुलन खोना शुरू कर देंगे, तो आप उस व्यक्ति को कैसे अपना बना सकेंगेड़ और इस तरीके से संतुलन में रहकर, आप अपनी सारी घृणा, अपना सारा क्रोध, अपनी सारी वासनाएं या आप जिसे प्रतिस्पर्द्धा कह सकते हैं, वह सब, आप त्याग देंगे, क्योंकि आप अपने गौरव में खड़े हुए हैं। आपको किसी से भी कोई प्रमाण पत्र नहीं चाहिए। आप किसी से भी किसी तरह की प्रशंसा नहीं चाहते। आप बस जानते हैं कि आप वहाँ हैं, और आप आत्मसंतुष्ट हैं। (9 फरवरी 1992)सहजयोग ध्यान के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार की प्राप्तिके पश्चात् निर्लिप्त प्रेम की जागृति सहजता से हमारे हृदय को प्रकाशित कर देती है।सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं।

वक्त के सन्त सतगुरु बाबा उमाकान्त जी ने बताया आने वाली और घर-घर में फैलती तकलीफों से बचत का उपाय

जयगुरुदेव नाम ध्वनि में बैठने लग जायेंगे तो उनका शराब, कबाब, शबाब भी छूट जाएगा

उज्जैन (म.प्र)दुखों को हरने का उपाय बताने वाले दुखहर्ता, उज्जैन वाले हर तरह से समरथ सन्त सतगुरु, बाबा उमाकान्त महाराज जी ने 11 नवम्बर 2023 अपरान्ह, उज्जैन आश्रम में दिए व यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर प्रसारित लाइव सन्देश में बताया कि आपको जो नाम बताऊंगा, उस नाम की कमाई और प्रभु को याद करने के लिए समय निकालो जिससे मनुष्य शरीर पाने का आपका उद्देश्य पूरा हो जाए। नाम दो तरह का होता है- ध्वन्यात्मक और वर्णनात्मक। जब-जब महापुरुष इस धरती पर आते हैं, एक नाम को जगाते हैं। जैसे त्रेता में राम ने राम नाम को जगाया। तब उसमें ताकत थी। उस लोगों को फायदा हुआ। जब कृष्ण आए तो कृष्ण नाम जगाया। जब सन्त आए तो कबीर साहब ने सतसाहेब, नानक जी ने वाहेगुरु, शिवदयाल जी महाराज ने राधास्वामी आदि। समय-समय पर इन नाम में शक्ति थी। वही मुसीबत में बोलने से लोगों को काफी लाभ भी मिला और बचत भी। गुरु महाराज ने जयगुरुदेव नाम जगाया। काल के नियम के अनुसार गुरु महाराज शरीर छोड़ करके चले गए लेकिन जयगुरुदेव नाम में अभी भी शक्ति है, पावर है, ताकत है।जैसे कई साल तक राधास्वामी, वाहेगुरु नाम चला, इसी तरह से जयगुरुदेव नाम अभी चल रहा हैइसमें पूरी ताकत है। कभी भी मुसीबत तकलीफ में पड़ जाओ तो जयगुरुदेव नाम जरुर बोलना। आजकल बीमारियां, लड़ाई-झगड़ा बहुत बढ़ गया है। रुपया-पैसा की, बरकत कम हो गई, आए दिन कोई न कोई घटनाएं घटती रहती हैं, लोगों के अंदर क्रोध और काम वासना भी बढ़ गयी है, इस वजह से परेशान हैं।

तकलीफों की लिस्ट तैयार करो तो पूरा पन्ना भर जाएगा-कामवासना किसी किसी की इतना ज्यादा हो गई, पुरुष और स्त्री दोनों परेशान। पुरुष अगर कामी हो गया तो औरत परेशान और औरत कामी हो गई तो पुरुष परेशान है। नियम-संयम का पालन नहीं कर पा रहे। इन सब का यही कारण है- खान-पान का असर। मांसाहार, शराब से लोगों की तकलीफ बहुत बढ़ गई। गृहस्थ आश्रम में एक तरह की तकलीफ नहीं है। आप हर घर के तकलीफों की लिस्ट तैयार करो तो पूरा पन्ना भर जाएगा।

तकलीफों में आराम कैसे मिलेगा-देखो हर आदमी को, हर तकलीफ का उपाय (अलग से) बताया नहीं जा सकता। लेकिन तकलीफों में आराम मिलने लग जाए, हर तरफ से फायदा दिखने लग जाए, उसके लिए आपको यह बता देता हूं कि पूरे परिवार को इकट्ठा करके जयगुरुदेव नाम की ध्वनि आप एक घंटा सुबह-शाम बुलवाना शुरू कर दो तो देखोगे की तकलीफों में आराम मिलने लगेगा। घर में मांसाहारी, शराबी, बुरे आचरण वाले को भी प्यार से बैठा लो। नियम बना लो। बच्चे नहीं बैठते हैं तो नियम बना दो कि शाम को जब भोजन बन जाएगा और नाम ध्वनि बोली जाएगी तब भोजन बटेगा। जब इस तरह का नियम बना दोगे तो सब बैठने लग जाएंगे। धीरे-धीरे उनकी बुरी आदतें भी छूटने लग जाएँगी। शराब, कबाब, शबाब भी उनका छूट जाएगा। करके देखो। ऐसे बोलना रहेगा-

जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयजय गुरुदेव।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी

नियुक्त कार्यपालिक दंडाधिकारी तीन पालियों में करेंगे ड्यूटीकार्यपालिक दंडाधिकारी तीन पालियों में करेंगे ड्यूटी

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा आम निर्वाचन 2023 में मतदान पश्चात जिले के समस्त पीठासीन अधिकारियों द्वारा जमा की गई ईवीएम-वीवीपैट को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में विधानसभावार बने स्ट्रांग रुम में रखा गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने मतदान में उपयोग हुई ईवीएम मशीनों की सुरक्षा एवं निगरानी की दृष्टि से कार्यपालिक दंडाधिकारियों की ड्यूटी तीन पालियों में लगाई है। नियुक्त सभी कार्यपालिक दंडाधिकारी मतगणना दिनांक 3 दिसंबर तक अपनी पाली अनुसार पहली पाली में प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक, दूसरी पाली में प्रातः 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं तीसरी पाली में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक निर्धारित तिथि में अपनी सेवायें देना सुनिश्चित करेंगे। कलेटर श्री वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार स्ट्रांग रुम स्थल शासकीय उत्कृष्ट उच्चर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में पहली पाली में प्रातः 6 बजे से 2 बजे तक नायब तहसीलदार सौरभ द्विवेदी, प्रभारी नायब तहसीलदार परमानंद तिवारी, एएसएलआर राजेश सिंह, प्रभारी तहसीलदार रामदेव साकेत, प्रभारी नायब तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद माझी, ललन सिंह और प्रभारी नायब तहसीलदार सुनील कुमार द्विवेदी की ड्यूटी कार्यपालिक दंडाधिकारी के रुप में लगाई गई है। इसी प्रकार दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक के लिये प्रभारी ना.तह. ललित कुमार धार्वे, रोशन लाल कोल, प्रेमलाल चौधरी, उमाकांत शर्मा, परमसुख बंसल, प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र पटेल और अनुराग सिंह मरावी तथा तीसरी पाली में र वननननननननात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक प्रभारी सहायक भू-अभिलेख लालमणि पांडेय, प्रभारी तहसीलदार कमलेश सिंह भदौरिया, सुजीत नागेश, रायसिंह कुशराम, मुन्ना तिवारी, सुदामा प्रसाद कोरी और प्रभारी नायब तहसीलदार बीरेंद्र कुमार सिंह की ड्यूटी लगाई गई है। जबकि रिजर्व कार्यपालिक दंडाधिकारी के रुप में प्रभारी तहसीलदार सौरभ मिश्रा और प्रभारी नायब तहसीलदार यादवेंद्रमणि त्रिपाठी की ड्यूटी लगाई गई है।

संपादकीय

जिंदगी के भावी जोखिम

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस यानी आईईपी की हालिया रिपोर्ट गंभीर चिंता का विषय है। रिपोर्ट में व्यापक अध्ययन के बाद कहा गया है कि पांचवें दशक तक दुनिया के 2.8 अरब लोगों को पारिस्थितिकी खतरे वाले क्षेत्रों में रहना पड़ेगा। यद्यपि मौजूदा समय में भी 1.8 अरब लोग गंभीर पारिस्थितिकी खतरों से जूझ रहे हैं। दरअसल, आईईपी ने 221 देशों और 3594 उप-राष्ट्रीय क्षेत्रों में विभाजित स्वतंत्र क्षेत्रों को अपने अध्ययन में शामिल किया है, जहां दुनिया की 99.99 प्रतिशत आबादी निवास करती है। इसमें से करीब 66 देशों को कम से कम एक गंभीर पारिस्थितिकी खतरे का फिलहाल सामना करना पड़ रहा है। इसमें तीन देश हॉटस्पॉट बनने से उनका अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया। दरअसल, जल, वायु, ध्वनि व मिट्टी प्रदूषण के अलावा खाद्य आपूर्ति शृंखला का बाधित होना, जनसंख्या वृद्धि तथा प्रतिकूल कुदरती परिस्थितियों के कारण होने वाला विस्थापन आदि पारिस्थितिकी संकट के मूल में हैं। पर्यावरण की दिन-प्रतिदिन खराब होती स्थिति ने इस संकट को बढ़ाया ही है। इसी के चलते आशंका व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2050 तक 2.8 अरब से अधिक लोग संकटग्रस्त इलाकों में रहने को बाध्य होंगे। मौजूदा हालात इतने खराब होते जा रहे हैं कि गंभीर संकट से जूझते देशों की संख्या बीते साल तीन से बढ़कर तीस हो गई है। इतना ही नहीं, गंभीर परिस्थितियों के चलते तीन देश पारिस्थितिकी संकट के चलते हॉटस्पॉट बनकर उभरे हैं और उनका अस्तित्व ही संकट में पड़ता नजर आ रहा है। इन तीन देशों में हमारा पड़ोसी म्यांमार व नाइजर तथा इथियोपिया सम्मिलित हैं। इन देशों में आंतरिक अशांति व अकुशल शासनतंत्र के चलते पर्यावरणीय चिंताएं हाशिये पर चली जाती हैं, जिसके चलते मानवीय त्रासदी लगातार भयावह होती जा रही है। मौसम की तल्खी के चलते जहां फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा है, वहीं बाढ़ व भूस्खलन जैसी आपदाओं ने संकट को और गहरा किया है। गरीबी व आंतरिक अशांति ने इस संकट को अधिक बढ़ाया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग से उपजे गहरे संकट ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। कमोबेश, भारत भी ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से अछूता नहीं है। पिछले दिनों में अतिवृष्टि, बाढ़ व सूखे के मंजर भारत में नजर आए हैं। यही वजह है कि असामान्य बारिश व सूखे की मार के चलते देश के कई राज्य खाद्य असुरक्षा की श्रेणी में आ गये हैं। वैसे तो यह पूरे दक्षिण एशिया का संकट है, जो तीसरा बड़ी आबादी वाला क्षेत्र भी है। अनुमान है कि यहां 17.5 करोड़ आबादी भारी खाद्य असुरक्षा वाले क्षेत्रों में रहती है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि सरकारों व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने यदि समय रहते इस दिशा में प्रयास नहीं किये तो वर्ष 2050 तक इन क्षेत्रों की खाद्य असुरक्षा वाली आबादी की संख्या इक्कीस करोड़ से अधिक हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि देश में खाद्य असुरक्षा वाले इलाकों में पूर्वी और दक्षिण पूर्वी उत्तर प्रदेश का कुछ भाग, बिहार, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश के कुछ इलाके शामिल हैं। साथ ही पश्चिमी भारत के कुछ इलाकों में संकट बना रह सकता है। पर्यावरण मामलों के जानकार बता रहे हैं कि इस संकट के मूल में अनियंत्रित शहरीकरण भी है। दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तमाम इलाके जिस तरह प्रदूषण की चपेट में हैं, उससे इस संकट का अहसास किया जा सकता है। विडंबना देखिये कि हमारी दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित बीस शहरों में नौ भारत के हैं। दरअसल, ये वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, पेयजल संकट व अंधाधुंध शहरीकरण की ही देन है। इससे हमारे पारिस्थितिकीय संतुलन पर भारी प्रतिकूल असर पड़ा है। इसी तरह पानी से जुड़ा संकट भी लगातार गहरा होता जा रहा है। जीवनदायिनी नदियां जहरीली होती जा रही हैं। कमोबेश यह संकट पूरी दुनिया का है। अभी भी विश्व में दो अरब लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं जहां स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल आपूर्ति अभी स्वप्न जैसा है। खासकर पेयजल के मामले में मध्यपूर्व तथा उत्तरी अफ्रीका में यह संकट बड़ा है।

दिल्ली-एनसीआर कैसे हो प्रदूषण मुक्त

उल्लेखनीय है कि आसपास के हजारों किसानों द्वारा पुरानी फसल के अवशेषों को जलाने के कारण जिस बड़े पैमाने में धुआं उठता है वह स्वाभाविक रूप से ठंडे तापमान में बहुत ऊंचे आसमान में न जाकर नीचे बैठने लगता है।

हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब व राजस्थान में बड़े पैमाने पर किसानों द्वारा पराली जलाने के कारण दिल्ली समेत एनसीआर कहे जाने वाले क्षेत्र के नागरिक भीषण वायु प्रदूषण की चपेट में आ गये हैं। हर साल सर्दियों के प्रारम्भ में आने वाले इस संकट से लोगों को मुक्ति कैसे मिले, इसके उपाय न तो पर्यावरण वैज्ञानिकों के पास हैं और न ही सरकारों के पास कि वे आखिर क्या करें। सम्बन्धित राज्य सरकारों की दिक्कत इसलिये बढ़ गई है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इसे लेकर बहुत सख्त हो गया है। मंगलवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान उसने दिल्ली के समीपवर्ती राज्य सरकारों से कह दिया है कि इससे उसे कोई मतलब नहीं है कि वे पराली जलाने से रोकने के लिये क्या करती हैं और क्या नहीं कोर्ट चाहती है कि यह तत्काल रुके। उसने साफ कह दिया है कि वह लाखों नागरिकों को जहरीली हवा में सांस लेकर मरते हुए नहीं देख सकती। इसलिये इस समस्या के लिये सर्वाधिक जिम्मेदार माने जाने वाले पंजाब की सरकार की इस दलील से भी संतुष्ट नहीं है कि पिछले वर्ष के मुकाबले पराली जलाने की घटना में 40 प्रतिशत की कमी आई है। अब देखना यह है कि इस पर कुछ राजनीतिक खींच-तान, वाद-विवाद और कानूनी जिरह के बाद यह मामला अगले साल तक के लिये फिर ठंडे बस्ते में जाता है या केन्द्र व राज्य सरकारें मिलकर कोई स्थायी समाधान निकालती हैं ताकि इस क्षेत्र के नागरिक हर वर्ष तकरीबन महीने भर के लिये गैस चेंबर बन जाने वाले दिल्ली-एनसीआर में ही रहने के लिये अभिशप्त न रहें। उल्लेखनीय है कि आसपास के हजारों किसानों द्वारा पुरानी फसल के अवशेषों को जलाने के कारण जिस बड़े पैमाने में धुआं उठता है वह स्वाभाविक रूप से ठंडे तापमान में बहुत ऊंचे आसमान में न जाकर नीचे बैठने लगता है। इसके कारण इस पूरे क्षेत्र में फैलने वाली हवा इतनी जहरीली हो जाती है कि लोगों का सांस लेना तक दूभर हो जाता है। कतिपय भौगोलिक व वैज्ञानिक कारणों से इसका घनत्व दिल्ली व एनसीआर में होता है। धूल बसाहट व वाहनों के निकलते धुएं का साथ पाकर दिल्ली सर्वाधिक प्रभावित होती है। किसी वार्षिक अनुष्ठान की तरह इस भयानक प्रदूषण पर कानूनी व सियासी विवाद शुरू हो गया है। पर्यावरणविद एमसी मेहता की 1985 में दायर एक याचिका की सुनवाई के सिलसिले में जस्टिस संजय किशन कौल व जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच में यह मामला विचाराधीन है। पिछले लगभग एक हफ्ते से दिल्ली का हर साल की तरह यही आलम होने से सुप्रीम कोर्ट ने बहुत ही सख्त रवैया अपनाया जिसका अंदाजा उनके इन शब्दों से लगाया जा सकता है जिसमें उसने कहा कि 'यदि हमने अपना बुलडोजर चलाना शुरू किया तो रुकेंगे नहीं।' चूंकि पराली की समस्या के लिये पंजाब को सर्वाधिक जिम्मेदार माना जाता रहा है, कोर्ट ने इस राज्य को लेकर बहुत कड़े तेवर अपनाते हुए कहा कि वह राजनीति छोड़कर आवश्यक कार्रवाई करे। साथ ही, सभी सम्बन्धित सरकारों को एक-दूसरे पर दोषारोपण करने से बचने और अपने अपने राज्यों में पराली जलाने पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिये। पीठ का कहना था कि पंजाब सरकार चाहे जुर्माना लगाये या प्रोत्साहन दे, उसे पराली जलाने पर रोक लगानी होगी। जब पंजाब के महाधिवक्ता ने कहा कि जुर्माना लगाना कठिन है, तो बेंच ने तंज कसते हुए कहा कि 'जुर्माना लगाना कठिन हो सकता है परन्तु दिल्लीवासियों की सेहत बिगाड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती।' शीर्ष कोर्ट को जब बताया गया कि किसानों को धान का उत्पादन न लेने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो इस पर कोर्ट ने सहमति जताई कि वैकल्पिक फसलें लेना अच्छा उपाय हो सकता है। धान की फसल की बजाय अन्य फसल लेने की बात इसलिये उठती है क्योंकि धान कटाई के बाद ही इसके अवशेषों (पराली) को जलाया जाता है ताकि रबी की फसलें ली जा सकें। वैसे इस समस्या के राजनैतिक रंग लेने का एक बड़ा कारण यह है कि इसमें हरियाणा व उप्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं तो राजस्थान में कांग्रेस की। इस बार बुरे फंसे हुए हैं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो पहले पंजाब को दोषी ठहराया करते थे परन्तु पिछले वर्ष वहां उनकी (आम आदमी पार्टी की) सरकार बन जाने से वे न तो अपनी सरकार की आलोचना कर पा रहे हैं, न ही बचाव। इसे उनकी आलोचना का सुअवसर जानकर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला कहते हैं कि 'सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश केजरीवाल के मुंह पर तमाचा है।' हालांकि आप ने कहा है कि शीर्ष कोर्ट जो भी निर्देश व सुझाव देगा, दिल्ली सरकार उनका पालन करेगी। सुनवाई के दौरान धान की जगह वैकल्पिक फसलें लेने की जो बात कही गई है, वह एक आकर्षक सुझाव तो हो सकता है लेकिन इसकी प्रक्रिया बहुत लम्बी है जिसमें कई वर्ष लग जायेंगे। कहने मात्र से किसान धान की फसलें लेना नहीं छोड़ देंगे जब तक कि उनके पास धान की बिक्री से होने वाले आर्थिक लाभ के बराबर की कमाई सुनिश्चित न हो। पंजाब में धान लेने वाले किसानों की संख्या बहुत बड़ी है इसलिये यह सुझाव भी तत्काल में अमल में लाया जाना मुश्किल है। देखना यह है कि ये सरकारें अगली सुनवाई में क्या हल लेकर आती हैं, जो शुक्रवार, 10 नवम्बर को होगी या फिर अगले करीब एक पखवाड़े तक दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को गैस चेंबर में ही रहना होगा। उसके बाद तो वैसे ही पराली जलनी बंद हो जाती है।

युद्ध का एक माह

आदित्य नारायण

इजराइल-हमास युद्ध को चलते एक महीना पूरा हो चुका है। पिछले महीने की 7 तारीख को इजराइल पर हमास के जबरदस्त हमलों ने सबको हिला कर रख दिया था। इसके बाद इजराइल ने हमास को खत्म करने का संकल्प लिया और उसने गाजा पर तीन तरफा हमला कर दिया। हमास के हमलों में इजराइल के 1400 लोगों की जान गई थी लेकिन इजराइली हमलों में 10 हजार फिलस्तीनियों की जान जा चुकी है। हमास ने जिन 240 फिलस्तीनियों को बंधक बनाया था उनमें से कुछ को रिहा किया जा चुका है लेकिन अभी भी बंधकों की रिहाई पर गतिरोध बना हुआ है। इस युद्ध के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की कुर्सी भी हिलती नजर आ रही है। इजराइल में विपक्ष और मीडिया लगातार यह सवाल पूछ रहा है कि क्या नेतन्याहू हमास हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे। हालांकि नेतन्याहू इन सब सवालों को खारिज करते आ रहे हैं और वह इस्तीफा देने से इन्कार करते आ रहे हैं लेकिन जनमत सर्वेक्षण बता रहे हैं कि इजराइल का बड़ा बहुमत उनके खिलाफ हो चुका है। रिपोर्टें बता रही हैं कि पूर्व रक्षामंत्री बेनी गैंटस को 48 फीसदी लोगों ने देश के अगले पीएम के रूप में पसंद किया है जबकि नेतन्याहू केवल 28 फीसदी लोगों की पसंद है। इजराइल में विपक्ष और नेतन्याहू की पार्टी की मिलीजुली सरकार चल रही है। वहां के संविधान के मुताबिक जब भी इजराइल युद्ध लड़ता है तो वहां विपक्ष भी वार कैबिनेट के जरिये सत्ता में आ जाता है। इस समय बेनी गैंटस इजराइल की वार कैबिनेट में शामिल हैं। नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के कई आरोपों में मुकदमा चल रहा है। विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू युद्ध की आड़ में अपनी खुद की कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं और वह अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए इसका पूरा सहारा ले रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र आरोप लगा रहा है कि इजराइल ने गाजा को बच्चों की कब्रगाह बना दिया है। फिलहाल युद्ध विराम या सैन्य अभियानों को अस्थायी रूप से रोकने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा। जो मुद्दे उभर कर सामने आए हैं उनमें पहला हमास द्वारा 242 बंधकों की रिहाई, दूसरा गाजा को मानवता के आधार पर राहत सामग्री देना और तीसरा युद्ध विराम कराना। इन तीन मुद्दों ने विश्व जनमत को दो समूहों में विभाजित कर दिया है। संघर्ष के एक किनारे पर 7 अक्तूबर को हमास द्वारा की गई आतंकवादी गतिविधियां हैं और दूसरी तरफ आईडीएफ का प्रतिशोध है जो गाजा में भारी विनाश, भूख और निर्दोषों की मौत के रूप में सामने आ रहा है। आज की तारीख में कोई भी राष्ट्र इस युद्ध में तटस्थ होने का दिखावा नहीं कर सकता। इजराइल और हमास दोनों की रणनीतियां इस गंभीर समस्या को और अत्यधिक जटिल बनाकर विश्व शांति के लिए खतरा बढ़ाने का काम कर रहीं। हमास के लिए 'करो या मरो' की स्थिति है। इसलिए उनके पास शुरू से ही स्पष्ट रणनीति रही है लेकिन इस रणनीति का अधिकांश हिस्सा रहस्य में डूबा हुआ है। कभी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इजराइल पहुंच जाते हैं तो कभी अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन तेल अवीव पहुंच जाते हैं लेकिन युद्ध विराम का मार्ग नहीं ढूंढा जा सका है। इजराइल ने गाजा शहर को पूरी तरह से घेर लिया है। ऐसा लगता है कि वह गाजा पट्टी को दो हिस्सों में विभाजित करना चाहता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने छुपकर वेस्ट बैंक में अलफतेह मुख्यालय का दौरा किया था। इसके व्यापक राजनीतिक संकेत हैं। इजराइल गाजा शहर में हमास के नागरिक प्रशासनिक नियंत्रण और युद्ध क्षमता को पूरी तरह से नष्ट करने पर ध्यान केन्द्रित करेगा। यद्यपि युद्ध में हमास को अधिक नुकसान होने की खबरें आ रही हैं लेकिन नुकसान तो इजराइल का भी हो रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसा माहौल सृजत हो रहा है कि नेतन्याहू जाने वाले हैं। अमेरिका को भी यह लगता है कि नेतन्याहू के अधिक समय तक इजराइल का प्रधानमंत्री बने रहने की सम्भावना नहीं है। इसलिए वह सीधे युद्ध में उलझना नहीं चाहता। इजराइल हमास युद्ध बढ़ने के साथ अमेरिका के भी एक बड़े संघर्ष में शामिल होने का जोखिम है। मिडिल ईस्ट यानी मध्य पूर्व वह क्षेत्र है जहां पर करीब 45000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। ऐसे में अगर अमेरिका इस जंग में शामिल हुआ तो स्थिति काफी उलझ सकती है। तुर्की में 1885 अमेरिका सैनिक, इराक में 2500, सीरिया में 900, जॉर्डन में 2936, कुवैत में 13500, सऊदी अरब में 2700, बहरीन में 9000, कतर में 8000, यूएई में 3500 और कुछ अमेरिकी सैनिक ओमान में मौजूद हैं। इजराइल में कितने अमेरिकी सैनिक हैं इस बारे में कोई जानकारी नहीं है लेकिन वहां पर कम से कम एक अमेरिकी सैन्य अड्डा तो है। बहरीन में एक अमेरिकी नौसैनिक अड्डा है जो नौसेना के सेंट्रल कमांड और अमेरिकी पांचवें बेड़े का मुख्यालय है। दुनिया देख रही है कि इजराइल अमेरिका की सहायता से अब अपनी हदें पार कर रहा है और जो कुछ हो रहा है वह अमानवीय है। अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर लोगों को भोजन, दवा से वंचित किया जा रहा है। देखना होगा कि वैश्विक शक्तियां युद्ध रोकने में क्या रुख अपनाती हैं।

बिहार का आर्थिक सर्वेक्षण

बिहार में हुए जातिगत सर्वेक्षण के बाद जो विभिन्न समुदायों की आर्थिक स्थिति के जो आंकड़े पेश हुए हैं वे वास्तव में औसत आदमी की आर्थिक हालत के बारे में आंखें खोल देने वाले हैं। इन आंकड़ों से साफ हो गया है कि बिहार के एक-तिहाई लोग केवल छह हजार रुपए महीना से कम पर अपना गुजारा करने के लिए मजबूर हैं। सबसे ज्यादा बुरी हालत अनुसूचित समाज के लोगों की है जबकि मुस्लिम समाज की हालत और भी ज्यादा खराब है। जातिगत आधार पर आय का वर्गीकरण करने की जरूरत इसलिए नहीं है क्योंकि हम सभी जानते हैं कि समाज के निचले तबकों की आय ही सबसे कम होती है मगर चौंकाने वाली बात यह भी है कि समाज के कथित उच्च जाति समाज में भी गरीबों की संख्या कम नहीं है और इसके भी 25 प्रतिशत लोग छह हजार रुपए से कम माहवार पर ही अपना गुजारा करते हैं। इसका सीधा मतलब यह निकलता है कि भारत में आय या सम्पत्ति का बंटवारा समानुपाती रूप में नहीं हो रहा है और धन का संचय कुछ विशेष वर्गों तक सीमित हो गया है। इस असमानता का सम्बन्ध निश्चित रूप से देश की आर्थिक नीतियों से ही हो सकता है। स्वतन्त्रता के बाद हमने जो आर्थिक नीतियां अपनाईं उनका मुख्य लक्ष्य भारत में कल्याणकारी राज की स्थापना करते हुए गरीबों को आर्थिक रूप से सम्पन्न इस प्रकार करना था कि इस वर्ग के लोगों की उत्पादनशीलता को बढ़ाते हुए उनकी हिस्सेदारी राष्ट्रीय सम्पत्ति में बढ़ाई जाये। यह बहुत दुष्कर कार्य था क्योंकि आजादी मिलने के वक्त भारत की 90 प्रतिशत से अधिक जनता केवल कृषि पर ही निर्भर करती थी। भारत ने जो नीतियां बनाईं उसमें औद्योगीकरण पर जोर दिया गया और धीरे-धीरे आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र से निकल कर औद्योगिक क्षेत्र में संलग्न हुआ। इससे भारत के औसत गरीब आदमी की स्थिति में सुधार आने का क्रम जारी हुआ और धीरे-धीरे भारत में बहुत बड़े मध्यम वर्ग का निर्माण हुआ। इससे देश का उत्पादन करने वाला औद्योगिक पहिया तेजी से घूमना शुरू हुआ। इसके समानान्तर ही भारत ने कृषि क्रान्ति करके खेती के उत्पादन में वृद्धि की जिससे कृषि आय में इजाफा होने के साथ इस पर रोजगार उपलब्ध कराने का बोझ भी घटता गया। इसके साथ ही भारत ने कृषि क्षेत्र में एक और दुग्ध उत्पादन में श्वेत क्रान्ति की। इस चक्र के पूरा होने के कुछ वर्षों के बाद 1991 में भारत ने बाजार मूलक अर्थ नीतियां चला कर भारत के बाजारों को विश्व के बाजारों से जोड़ा। इस अर्थव्यवस्था ने सारे सामाजिक व आर्थिक विकास के ढांचे को धीरे-धीरे बाजार की शक्तियों पर छोड़ना शुरू किया जिसकी वजह से सामाजिक-आर्थिक विषमता का मुद्दा राजनीति के केन्द्र से बाहर होता गया और भारत पूंजी की सत्ता के प्रभावों से बंधता चला गया। भारत जैसे भौगोलिक व सांस्कृतिक-सामाजिक विविधता वाले देश में यह ढांचा केवल बड़े-बड़े शहरों के बेतरतीब विकास में इस तरह सिमटा कि गांवों से शहरों की तरफ पलायन तेज हुआ जिसकी वजह से गांव शहरों पर आश्रित होते रहे। गांव के आदमी की आय बढ़ाने का लक्ष्य कहीं पीछे छूटता चला गया और हम बड़े-बड़े शहरों के विकास की चकाचौंध में उलझ कर रह गये। इससे बहुत बड़ा असन्तुलन भारतीय समाज में पैदा हुआ क्योंकि पूंजी की सत्ता के केन्द्र बने हुए बड़े-बड़े शहर और इन्हें चलाने वाले बड़े-बड़े पूंजीपति व उद्योगपति अपने हाथों में ही सुख-समृद्धि को समेटते रहे। अतः हम जिस आर्थिक असमानता को आज बिहार में देख रहे हैं वह केवल किसी खास वर्ग या समाज में फैली असमानता नहीं है बल्कि भारत के सामान्य समाज में फैली असमानता है। बिहार जैसे राज्य में अगर केवल सात प्रतिशत लोग ही स्नातक पास हैं तो इससे अन्दाजा लगाया जा सकता है कि शिक्षा का पाना आज कितना मुश्किल होता जा रहा है। लोकतन्त्र में शिक्षा भी यदि सम्पन्न वर्ग का ही विशेषाधिकार बन जाता है तो आम आदमी की हालत में आर्थिक बदलाव नहीं किया जा सकता।

विश्व कप: न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल की राह आसान हुई, पाकिस्तान और अफगानिस्तान लगभग बाहर

नई दिल्ली। बेंगलुरु में गुरुवार को श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर न्यूजीलैंड ने 15 नवंबर को वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए खुद को लगभग सुरक्षित कर लिया है। हालांकि चौथे स्थान के लिए न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अभी भी तीन-तरफा संघर्ष चल रहा है। बेहतर नेट रन रेट (एनआरआर) की लड़ाई में न्यूजीलैंड ने पहले श्रीलंका को केवल 171 रन पर आउट करके और फिर 24वें ओवर में लक्ष्य का पीछा करके खुद को आरामदायक स्थिति में ला दिया है। शनिवार (11 नवंबर) को अपने आखिरी ग्रुप स्टेज गेम में इंग्लैंड पर पाकिस्तान की जीत उन्हें अंकों के मामले में न्यूजीलैंड के बराबर ले जाएगी, लेकिन नेट रन रेट के मामले में कीवी टीम को पीछे छोड़ना लगभग असंभव लगता है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, न्यूजीलैंड का एनआरआर 0.743 है जबकि पाकिस्तान का 0.036 है।

पाकिस्तान को न्यूजीलैंड को पीछे छोड़ने के लिए निम्नलिखित कार्य करना होगा:

- अगर पाकिस्तानी टीम पहले बल्लेबाजी करती है और 300 रन बनाती है तो इंग्लैंड को 13 रनों पर सीमित करना होगा।
- अगर पाकिस्तानी टीम 350 रन बनाती है तो इंग्लिश टीम को 62 रन तक सीमित रखें।
- अगर पाकिस्तान 400 का स्कोर बनाता है तो इंग्लैंड को 112 रन तक सीमित रखें।
- अगर पाकिस्तान बाद में बल्लेबाजी करे तो उसे लक्ष्य 3 ओवर में हासिल करना होगा।

संयोग से, पाकिस्तान इस विश्व कप में अपने आखिरी ग्रुप चरण के खेल से पहले खुद को उसी स्थिति में पाता है जैसा कि उन्होंने 2019 संस्करण में किया था। उस समय भी, एनआरआर पर चौथे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए उन्हें 300 से अधिक रनों के अकल्पनीय अंतर से जीत की जरूरत थी। उन्होंने पहले बल्लेबाजी की और 9 विकेट पर 315 रन ही बना सके, जिससे बांग्लादेश को सात रन पर रोकना था। पीछा करने वाली टीम 1.5 ओवर में 8/0 पर पहुंच गई। अफगानिस्तान की हालत और भी खराब है। हशमतुल्लाह शाहिदी की टीम वर्तमान में -0.338 के एनआरआर के साथ छठे स्थान पर है। दो रात पहले तक, उनका भाग्य उनके हाथों में था क्योंकि उनके पिछले दो मुकाबलों में दो जीत उन्हें न्यूजीलैंड और पाकिस्तान दोनों को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर ले जाती।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल के दौरान वे ट्रैक पर थे जब उन्होंने 291/5 के लक्ष्य का बचाव करते हुए एक समय ऑस्ट्रेलिया के केवल 91 रनों पर 7 विकेट गिरा दिये थे, लेकिन ग्लेन मैक्सवेल ने अविश्वसनीय दोहरे शतक के साथ उन्हें रोक दिया। चौथे स्थान पर पहुंचने के लिए अफगानिस्तान को न्यूजीलैंड के एनआरआर से आगे निकलने के लिए शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को 439 रनों से हराना होगा (यदि वे पहले बल्लेबाजी करते हुए 500 रन बनाते हैं)।

विश्व कप में बांग्लादेश के आखिरी मैच के बाद तेज गेंदबाजी कोच का पद छोड़ेंगे एलन डोनाल्ड

नई दिल्ली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच एलन डोनाल्ड 11 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व कप के आखिरी मैच के बाद अपना पद छोड़ देंगे। क्रिकबज के अनुसार, डोनाल्ड ने पुणे में एक टीम मीटिंग के दौरान अपने फैसले की जानकारी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को दी। अधिकारी ने गुरुवार को कहा, हां, उन्होंने (डोनाल्ड) हमें सूचित किया कि वह इस विश्व कप के बाद टीम मीटिंग के दौरान हमारे साथ नहीं रहेंगे। यह डोनाल्ड के लिए एक संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण कार्यकाल के अंत का प्रतीक है, जिन्होंने मार्च 2022 में टी20 विश्व कप को मुख्य लक्ष्य मानकर कार्यभार संभाला था। हालांकि, टीम के तेज गेंदबाजी स्टॉक की प्रभावशाली प्रगति के साथ, उनका अनुबंध बीसीबी द्वारा मौजूदा आईसीसी विश्व कप तक बढ़ा दिया गया था। बीसीबी ने 8 नवंबर को घोषणा की कि वे 6 नवंबर को दिल्ली में श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान एंजेलो मैथ्यूज के खिलाफ 'टाइम आउट' की अपील करने के बाद कप्तान शाकिब अल हसन पर कटाक्ष करने के लिए डोनाल्ड से स्पष्टीकरण मांगेंगे। जब इस संबंध में डोनाल्ड का ध्यान आकर्षित किया गया तो वह जरा भी चिंतित नजर नहीं आए। डोनाल्ड ने कहा, अगर वे (बीसीबी) स्पष्टीकरण मांगते हैं तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। जहां तक मेरा सवाल है, स्पष्टीकरण खबरों में था उन्होंने कहा कि उन्हें बांग्लादेश की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के साथ बने रहने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

हेल्मेट स्ट्रैप चेक कर लिया क्या ! एंजलो मैथ्यूज को कीवी क्रिकेटरों ने घेरा

मुंबई। अनुभवी श्रीलंकाई बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप 2023 मैच के दौरान 'टाइम आउट' पर आउट होने वाले पहले क्रिकेटर बनने के बाद से सुर्खियों में बने हुए हैं। घटनाक्रम को लेकर बांग्लादेश और श्रीलंका के प्लेयर आमने सामने होते दिखे। अंपायरों तक ने अपने स्पष्टीकरण दिए लेकिन फिर खेल भावना को लेकर क्रिकेट फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर कमेंट किए। इसी बीच एंजेलो जब न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर खेलने उतरे तो कीवी कप्तान केन विलियमसन भी उन्हें चिढ़ाने से पीछे नहीं हटे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट की है जिसमें दिखता है कि एंजेलो जब क्रीज पर आते हैं तो वह मैथ्यूज से उनके हेलमेट के स्ट्रैप के बारे में पूछते नजर आ रहे हैं। एंजेलो भी इसका जवाब हंसी के साथ देते नजर आते हैं। मैथ्यूज नौवें ओवर में क्रीज पर पहुंचे थे जब श्रीलंकाई टीम ने 70 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। अफसोसजनक 8 रन बनाकर बोल्ट की गेंद का शिकार हुए थे। इसके बाद मैथ्यूज जब क्रीज पर आने लगे तो पहले ट्रेंट बोल्ट ने तो बाद में केन विलियमसन उनसे मजाकिया लहजे में बातचीत करते नजर आए।

फीडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैंपियनशिप 2023 समरकंद, उज्बेकिस्तान में होगी

समरकंद, उज्बेकिस्तान। शतरंज के फटाफट फॉर्मेट रैपिड और ब्लिट्ज़ की विश्व चैंपियनशिप उज्बेकिस्तान के सबसे प्राचीन शहर समरकंद 26 से 30 दिसंबर तक आयोजित होगी, विश्व शतरंज संघ ने आज इसकी घोषणा करते हुए बताया की एक बार फिर इस पांच दिवसीय टूर्नामेंट दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। प्रतियोगिता एक बार फिर से पुरुष और महिला वर्ग में आयोजित होगी।समरकंद ऐतिहासिक सिल्क रोड व्यापार मार्ग के साथ एक महत्वपूर्ण शहर हुआ करता था और शतरंज के लिए भी ऐतिहासिक महत्व रखता है- यह वही शहर था जहां 1977 में सबसे पहले ज्ञात शतरंज के मोहरों की खोज की गई थी, जो 6 वीं और 8 वीं शताब्दी ईस्वी के बीच के थे। भारत से अब तक विश्वनाथन आनंद विश्व रैपिड और ब्लिट्ज़ चैम्पियन रह चुके है जबकि कोनेरु हम्पी ने विश्व रैपिड शतरंज का खिताब अपने नाम किया था । इस बार भारत की नजरे पुरुष वर्ग में गुकेश , प्रज्ञानन्दा , विदित गुजराती , अर्जुन एरिगासी और निहाल सरीन जैसे युवा खिलाड़ियों पर रहेगी जबकि महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के अलावा वैशाली आर से भारत को बड़ी उम्मीद रहेगी ।

रेल मंत्री ने लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट ट्रॉफी को वंदेभारत ट्रेन से किया रवाना

भोपाल। देशभर में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट ने अपनी यात्रा शुरू की है।इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी के साथ शुरू हुई यात्रा को गुरुवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सबसे तेज रेल नेटवर्क वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से यहां हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भोपाल के कमलापति रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रॉफी के साथ लीजेंड क्रिकेटर सैय्यद किरमानी, जोंटी रोड्स, मोंटी पानेसर और ईश्वर चंद पाण्डेय ट्रेन से रवाना हुए। इस अवसर पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हम वंदे भारत ट्रेन पर लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट और दिग्गज खिलाड़ियों का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह अतुलनीय यात्रा देश में खेलों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।जानकारी के अनुसार लीजेन्ड्स लीग क्रिकेट की यह ट्रॉफी 17 विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस पर मौजूद रहेंगे। इसका पहला स्टाप ताज महल का नगर आगरा होगा और यात्रा का समापन दिल्ली में होगा।

हरिकेन ने जीता अंतर सचिवालय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

देहरादून। हरिकेन ने अंतर सचिवालय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट (मोनाल कप) का खिताब जीत लिया है। खिताबी मुकाबले में हरिकेन ने सचिवालय ए को 69 रनों से हराया। महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए खिताबी मुकाबले में हरिकेन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हरिकेन ने कपिल गंगवार (85) के बेहतरीन अर्धशतक और दिवाकर पंत के 45 रनों की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 214 रन बनाए। कपिल और दिवाकर के अलावा अनुज चमोली ने नाबाद 16 रन बनाए। सचिवालय ए की तरफ से टिकराज ने 3 और हरीश सैनी ने 2 विकेट लिए। 214 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी ए की टीम कुल 20 ओवरों में 09 विकेट के नुकसान पर 149 रन ही बना पाए। आशुतोष विमल ने 78, अनिल नेगी ने 26 रन बनाए। मुकेश रावत ने 4, ओमीश ने 2, अनुज और विनोद ने 1-1 विकेट लिए। सचिवालय हरिकेन ने फाइनल मैच 69 रन से जीत लिया। फाइटर ऑफ द मैच आशुतोष विमल को और मैन ऑफ द मैच कपिल गंगवार को दिया गया। इसके अलावा मैन ऑफ द सीरीज बेस्ट बॉलर का अवार्ड टिकराज सिंह ने जीता, जबकि वीरेंद्र रावत को बेस्ट कीपर, सुनील मैठोला को बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड मिला। वहीं, फेयर प्ले का अवार्ड सचिवालय हरिकेन को दिया गया। इससे पहले आज राज्य स्थापना दिवस पर मैच से पूर्व राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि देने के लिए मैदान पर अनिल जोशी, अध्यक्ष, सचिवालय क्रिकेट क्लब, राजेंद्र रतूड़ी, सचिव, क्रिकेट क्लब, अनुज चमोली, सुनील लखेड़ा, अध्यक्ष सचिवालय संघ, जीतमणि पैन्यूली, करम राम एवं ललित जोशी उपस्थित रहे।

हाकी : सीतापुर की तनिशा ने हापुड़ की काजल को दी मात, नीर नेहवाल भी फाइनल में जीते

लखनऊ। बी.बी.डी. उ. प्र. बैडमिंटन अकादमी में योनेक्स सनराइज डा0 अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल उ0प्र0 स्टेट सीनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप का फाइनल मैच खेला गया। इस मैच में खिलाड़ियों ने काफी उत्साह दिखाया। इस मैच में एकल महिला बैडमिंटन के फाइनल में हापुड़ का काजल पलवार को सीतापुर की तनिशा सिंह ने सीधे सेटों में हरा दिया। पुरुष एकल फाइनल मैच नोएडा के नीर नेहवाल व चिराग सेठ,(नोएडा), के बीच खेला गया। इसमें रोमान्चक मैच में नीर नेहवाल ने चिराग सेठ को 23-12 व 21-19 से हराकर पुरुष एकल के स्टेट चैम्पियनशिप बने, जबकि तनिशा सिंह (सीतापुर) ने काजल पलवार, (हापुड़) को दो सीधे सेटों में 21-16, 21-16 से हराकर महिला एकल चैम्पियनशिप बनने का गौरव प्राप्त किया। पुरुष एकल का फाइनल मैच आयुश अग्रवाल व दक्ष गौतम (आगरा) व प्रदीप चौधरी अलीगढ़ -शिवम श्रीवास्तव (गोरखपुर) के बीच खेला गया, जिसमें आयुश अग्रवाल व दक्ष गौतम (आगरा) ने प्रदीप चौधरी-शिवम् श्रीवास्तव को 23-21, 21-19 से हराकर विजेता बने। महिला युगल का फाइनल मैच

शैलजा शुक्ला व शिवांगी (यूपीबीए-मेरठ) समिद्धि सिंह व सोनाली सिंह (यूपीबीए) के बीच खेला गया। समृद्धि सिंह व सोनाली सिंह (यूपीबीए) ने शैलजा शुक्ला एवं शिवांगी सिंह को 21-11, 21-14 से हराकर विजेता बने।

मिश्रित युगल का फाइनल तनिशा सिंह व तुशार गगनेजा व आयुश राज गुप्ता एवं शिवांगी सिंह के बीच खेला गया जिसमे तनिशा सिंह व तुशार गगनेजा से आयुशराज गुप्ता व शिवांगी सिंह को 21-16, 21-17 से हराकर मिश्रित युगल के विजेता बने। सभी खिलाड़ियों को पांच लाख रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया। चैम्पियनशिप का पुरस्कार वितरण श्रीमति अल्कादास (कुलाधिपति-बी0बी0डी0 युनि0) व श्रीमति वंदना सहगल (निदेशक) के द्वारा किया गया। डा0 नवनीत सहगल (प्रेसीडेंट, यूपीबीए), ने भी टेक्नीकल आफीसियलस को पुरस्कृत किया । इसी प्रदर्शन के आधार पर उ0प्र0 टीम का चयन किया गया। वाई0 के0 जयसवाल ने टीम के चयनित खिलाड़ियों की घोषणा की, जो कि 18 दिसम्बर से 24 दिसम्बर गुवाहाटी मे होने वाली सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में उ0 प्र0 टीम का प्रतिनिधित्व करेंगें। चयनित खिलाड़ियों में चिराग सेठ, तनिशा सिंह, नीर नेहवाल, काजल पलवार, प्रदीप चौधरी, शैलजा शुक्ला, शिवम श्रीवास्तव, शिवांगी सिंह हैं।

फ्रांस क्रिकेट पर लगे धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार के आरोप, आईसीसी करेगा मामले की जांच

नई दिल्ली। फ्रांस क्रिकेट वर्तमान में धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जांच की जा सकती है। दरअसल फ्रांस क्रिकेट पर कई फर्जी मैचों के आरोप लगाए गए हैं। फ्रांसीसी मीडिया की एक रिपोर्ट के जवाब में आईसीसी ने कहा, हम इस पर गौर कर रहे हैं। पूर्व फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर ट्रेसी रोड्रिग्ज द्वारा पहली बार काल्पनिक मेल होने का खुलासा करने के बाद फ्रांस24 की एक रिपोर्ट में ये आरोप लगाए गए थे। ऐसे भी आरोप हैं कि फ्रांस क्रिकेट महिला क्रिकेट के लिए आईसीसी विकास निधि तक पहुंचने की अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है और छुपाता है कि वह उन्हें कैसे खर्च करता है।

आईसीसी ने कहा कि यह आरोपों को गंभीरता से ले रहा है और उम्मीद है कि वह इस समस्या की जांच शुरू करेगा। भ्रष्टाचार निरोधक इकाई इसमें शामिल होगी या नहीं, इसकी अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं है। रोड्रिग्ज ने फ्रांसीसी प्रकाशन को बताया कि उसने अपने संदेह पर कार्रवाई करने का फैसला किया कि फ्रांस क्रिकेट के दावे के अनुसार कई महिलाओं के मैच खेले जा रहे थे। वह उस मैदान में गई जहां खेल होने वाले थे लेकिन उसे कोई गतिविधि नहीं मिली।खेल के समय बच्चे साइकिल चला रहे थे।

खुद को ईश्वरीय प्रेरणा से तैयार एक फाइटर मानती हैं मैरी कॉम

नई दिल्ली। महान भारतीय महिला मुक्केबाज और छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट श्रृंखला के एक एपिसोड में अपने शानदार करियर और जीवन के बारे में रोचक जानकारियां साझा कीं।

पॉडकास्ट में मैरी कॉम ने अपनी अनोखी जिंदगी की परतें खोलीं। बातचीत में उनकी यात्रा के आध्यात्मिक पहलू पर चर्चा हुई। मैरी कॉम ने खुलासा किया कि वह खुद को ईश्वरीय प्रेरणा से तैयार एक फाइटर मानती हैं। साथ ही उन्होंने जीवन की बाधाओं का सामना करते हुए निडर होकर, समाज की भलाई में योगदान देने की उत्सुकता व्यक्त की।

पॉडकास्ट ने मैरी कॉम के जीवन के विभिन्न पहलुओं को छुआ, जिसमें उन पर हालिया बायोपिक भी शामिल है, जो उनकी उपलब्धियों का प्रमाण है। उन्होंने विनम्रतापूर्वक अपने बारे में फिल्म बनाने के सौभाग्य और एक महिला के रूप में दूसरों की प्रेरणा में योगदान देने के गौरव को स्वीकार किया।

मैरी कॉम ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलीटों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और भारतीय ओलंपिक टीम को शुभकामनाएं दीं। विशेषकर उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की तारीफ की और उम्मीद जताई कि वह एक बार फिर देश के लिए स्वर्ण जीतेंगे। पॉडकास्ट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा महिलाओं और पुरुषों के लिए मैरी कॉम की सलाह को समर्पित था। महिलाओं के लिए, उन्होंने शादी के बाद भी अपने सपनों को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया, और परिवारों से महिलाओं की करियर आकांक्षाओं का समर्थन करने का आग्रह किया। पुरुषों के लिए, मैरी कॉम ने महिलाओं के प्रति बिना शर्त समर्थन और सकारात्मकता पर जोर दिया।

बातचीत में मैरी कॉम के वास्तविक जीवन के व्यक्तित्व पर भी चर्चा हुई, जिसमें उन्हें एक भावनात्मक लेकिन अभिव्यंजक व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया। पॉडकास्ट का समापन मैरी कॉम के साथ उनके शुरुआती करियर में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा के साथ हुआ, जहां भारत में कैमरे और अन्य उपकरण दुर्लभ थे। उन्होंने मुक्केबाजी के मानसिक पहलू पर जोर दिया और इसे एक स्मार्ट और रणनीतिक खेल बताया जो शारीरिक ताकत से परे है।

अफगानिस्तान इस विश्व कप का एक मुख्य आकर्षण, उसकी गेंदबाजी स्तरीय : विवियन रिचर्ड्स

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स का कहना है कि क्रिकेट विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान टीम ने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। विवियन ने कहा कि मेरे लिए इस विश्व कप का एक मुख्य आकर्षण अफगानिस्तान को देखना है। अगर उन्हें 250 से अधिक का स्कोर मिलता है, तो उनके पास जो गेंदबाजी इकाई है, उसका मतलब है कि वे हर समय खेल में बने रहेंगे। रिचर्ड्स ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार पारी खेलकर अफगानिस्तान को भले ही जीत से वंचित कर दिया हो लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

रिचर्ड्स ने युवा शुभमन गिल की भी काफी प्रशंसा की और कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो 'स्टाइल के साथ बल्लेबाजी करते हैं' और 'उन खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके पास सभी बड़े शॉट् हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह की 'मानसिकता' के साथ भारतीय खिलाड़ी विश्व कप में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, वे इस तरह खेलते हुए खिताब जीत सकते हैं। उन्होंने रोहित शर्मा की टीम से आग्रह किया कि वे नकारात्मक विचार मन में लाना बंद करें कि एक खराब मैच सामने आ सकता है। रिचर्ड्स का मानना है कि पाकिस्तान अब भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब भी नॉकआउट चरण में जगह बना सकता है लेकिन मैं यह सोचने से खुद को नहीं रोक सकता कि उनके पास जो प्रतिभा है, उसे देखते हुए उन्हें पहले ही अपना स्थान पक्का कर लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने लिए चीजों को कठिन बना लिया है - मुझे लगता है कि वे तालिका में अपनी स्थिति से कहीं अधिक प्रतिभाशाली टीम हैं।

विराट कोहली की मानसिक मजबूती उसे बाकी खिलाड़ियों से अलग करती है : विवियन रिचर्ड्स

मुंबई । महान बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स ने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि उनकी मानसिक मजबूती उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है और वह मुश्किल से मुश्किल स्थिति से भी बाहर आ जाते हैं। कोहली ने हाल ही में अपने 35वें जन्मदिन पर सचिन तेंदुलकर के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए 49वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। वह भारत में चल रहे मौजूदा विश्व कप में आठ मैचों में 543 रन के साथ रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। नवंबर 2019 से कोहली लगभग तीन साल तक शतक नहीं जड़ पाए और यहां तक कि पिछले साल एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने से पहले उन्होंने खेल से ब्रेक भी लिया।

रिचर्ड्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा कि विराट एक उत्साही खिलाड़ी है और जो चीज उन्हें बाकी लोगों से अलग करती है, वह उनकी मानसिक ताकत है। अतीत में जब मैंने उनसे बातचीत की है और हमने चीजों पर चर्चा की है, उनकी मानसिक ताकत हमेशा स्पष्ट रही है। वेस्टइंडीज के इस महान खिलाड़ी ने कहा कि विराट इस विश्व कप से पहले कुछ कठिन दौर से गुजरे होंगे और कुछ लोग इतने हिम्मत वाले भी थे कि उन्हें बाहर करने की मांग कर रहे थे। रिचर्ड्स ने कहा कि बहुत सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी आए हैं लेकिन उनमें सबसे ऊपर आप विराट कोहली को ही पाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं विराट का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, मैं लंबे समय से हूं, और अब भी यह दिख रहा है कि क्यों उसे महान सचिन जैसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाना जाता है। कोहली जब 1,021 दिन तक शतक नहीं लगा पाए तो आलोचकों ने कहा कि उनके सुनहरे दिन पीछे छूट गए हैं। लेकिन यहां विश्व कप में उन्होंने शानदार फॉर्म दिखाई है जिससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में 2011 की सफलता के बाद भारत इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को दोबारा जीत सकता है।

रत ने भेजी भूकंप प्रभावित नेपाल के लिए राहत सामग्री की तीसरी खेप

काठमांडू। भारत ने सोमवार को नेपाल में भूकंप से प्रभावित लोगों के लिए दवाओं और अन्य राहत सामग्री की तीसरी खेप भेजी। राहत सामग्री की पहली खेप रविवार को भेजी गई थी। विदेश मंत्री

एस. जयशंकर ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा,' भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की तीसरी उड़ान 12 टन राहत सामग्री लेकर नेपाल पहुंची।' राहत सामग्री की ताजा खेप आईएएफ के एक सैन्य माल ढुलाई विमान से भेजी गई। पश्चिमी नेपाल के कई इलाकों में गत आए भूकंप के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई और 250 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, पश्चिमी नेपाल के जाजरकोट और रुकुम के पश्चिम जिलों में आए भूकंप से सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के लगभग 8,000 आवासों को नुकसान पहुंचा है।

पुर्तगाल : प्रधानमंत्री के इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति ने संसद भंग की, समय पूर्व चुनाव का ऐलान किया

पुर्तगाल। पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सौसा ने कहा कि वह देश की संसद को भंग कर समय पूर्व चुनाव कराने का ऐलान कर रहे हैं। पुर्तगाल सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा ने इस्तीफा दे दिया था, जिसके दो दिन बाद राष्ट्रपति सौसा ने संसद को भंग करने की घोषणा की। सौसा ने कहा कि चुनाव 10 मार्च को होंगे। उन्होंने देश की 'काउंसिल ऑफ स्टेट' के साथ बैठक के बाद टीवी पर राष्ट्र के नाम संबोधन के दौरान अपने फैसले को सार्वजनिक किया।

'काउंसिल ऑफ स्टेट' पूर्व राजनेताओं और दिग्गज हस्तियों की एक परामर्श संस्था है। सौसा ने बुधवार को संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ मुलाकात की थी, जिसके बाद उन्होंने 'काउंसिल ऑफ स्टेट' के साथ बैठक की। समाजवादी नेता कोस्टा 2015 से पुर्तगाल का नेतृत्व कर रहे हैं और पिछले साल उन्होंने चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। भ्रष्टाचार मामले की जांच के हिस्से के रूप में पुलिस ने पुर्तगाल में व्यापक स्तर पर छापेमारी की थी, जिसने देश को हिलाकर रख दिया। इसके बाद कोस्टा ने तत्काल इस्तीफा दे दिया था। पुलिस ने अपने चीफ ऑफ स्टाफ के साथ चार अन्य लोगों और सरकार के एक मंत्री को गिरफ्तार किया है, जिनका नाम फिलहाल जाहिर नहीं किया गया है। कोस्टा ने कुछ घंटों बाद ही राष्ट्र को दिए संबोधन में अपनी बेगुनाही की बात को दोहराते हुए कहा था कि वह प्रधानमंत्री पद पर बने नहीं रह सकते हैं।

कनाडा के मॉन्ट्रियल में आतंकियों ने दो यहूदियों को गोलियों से भून दिया

टोरंटो। इजराइल पर हमास के आतंकियों द्वारा 6 अक्टूबर को हमला किए जाने के बाद दुनियाभर में रह रहे यहूदियों की जान आफत में आ गई है। दरअसल, इजराइल और हमास के बीच पिछले एक महीने से संघर्ष चल रहा है। इजराइली सेना लगातार हमास आतंकियों को 72 हूरों के पास पहुंचा रही है। अब तक हमास के कई कमांडर मारे जा चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, इजराइल-हमास संघर्ष में अब तक 10000 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं, कनाडा समेत कई देशों में यहूदियों पर हमले की खबर सामने आई है। कनाडा के मॉन्ट्रियल के कोटे-डेस-नेगेस-नोट्रे-डेम-डी-ग्रेस बोरो में दो यहूदी स्कूलों को रात भर गोलियों से उड़ा दिया गया, पुलिस ने गुरुवार सुबह इसकी पुष्टि की। पहली घटना की सूचना पुलिस को सुबह 8:20 बजे दी गई जब मॉन्ट्रियल इंक के यूनाइटेड तल्मुड टोराज के एक सदस्य को स्कूल के एक दरवाजे में गोली का छेद मिला। सेंट-केविन और विक्टोरिया एवेन्यू पर स्थित संस्थान में एक प्राथमिक और उच्च विद्यालय शामिल है।

अमेरिका के विरोध के बाद बदले पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के सुर! बोले- गाजा पर कब्जा नहीं चाहता इस्राइल

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश गाजा पर कब्जा करना, उसका प्रशासन करना या उसे जीतना नहीं चाहता है। हालांकि उन्होंने कहा कि एक विश्वसनीय बल की गाजा में जरूरत होगी, जो जरूरत पड़ने पर आतंकी खतरे को उभरने से रोक सके। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हमास से लड़ाई खत्म होने के बाद गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी अनंतकाल तक इस्राइल संभालेगा। इसी एक तरह से गाजा पर इस्राइल के कब्जे की चाहत के तौर पर देखा गया। हालांकि अमेरिका ने कहा है कि लड़ाई के बाद इस्राइल अगर गाजा पर कब्जा करता है तो वह उसका विरोध करेगा। अब नेतन्याहू के बयान से साफ है कि अमेरिका के विरोध के बाद इस्राइल के भी सुर बदल गए हैं।

अमेरिका ने जताई नाराजगी

बता दें कि इस्राइल-हमास की लड़ाई में अमेरिका खुलकर

इस्राइल का समर्थन कर रहा है लेकिन बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने एक बयान में साफ कहा था कि गाजा पर इस्राइल का कब्जा एक बड़ी भूल होगी। हालांकि बीते हफ्ते अमेरिका के एक टीवी चैनल के साथ इंटरव्यू में इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास से लड़ाई खत्म होने के बाद गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी अनंतकाल तक इस्राइल संभालेगा ताकि हमास जैसा हमला फिर ना हो सके। नेतन्याहू के इस बयान के बाद अमेरिका के अधिकारियों ने फिर से इस्राइल को गाजा पर कब्जा करने को लेकर चेताया है और कहा है कि अगर इस्राइल गाजा पर कब्जा करता है तो अमेरिका, इस्राइल का विरोध करेगा। अब अमेरिकी मीडिया के साथ गुरुवार को एक इंटरव्यू में बेंजामिन नेतन्याहू के सुर बदले नजर आए और उन्होंने कहा कि इस्राइल, गाजा पर कब्जा या उसे जीतना नहीं चाहता है लेकिन वह चाहते हैं कि एक विश्वसनीय बल गाजा में मौजूद रहे जो आतंक के उभार को रोक सके।

फलस्तीन अथॉरिटी की सरकार बन सकती है गाजा में

अमेरिकी सरकार के अधिकारियों का कहना है कि वेस्ट बैंक में शासन कर रही फलस्तीन अथॉरिटी की सरकार को लड़ाई के बाद गाजा पर प्रशासन करना चाहिए। बीते दिनों जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने वेस्ट बैंक का दौरा किया था तो उस दौरान भी फलस्तीन अथॉरिटी के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात में गाजा में फलस्तीन अथॉरिटी की सरकार बनाने की बात कही थी। हालांकि महमूद अब्बास ने अपने ताजा बयान में कहा है कि वह इस्राइली टैंकों के दम पर गाजा में सरकार नहीं बनाएंगे बल्कि राजनीतिक बातचीत के आधार पर कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए।

कराची की जेल से 80 भारतीय मछुआरे रिहा, पाकिस्तान सरकार ने कही यह बात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने 80 भारतीय मछुआरों को मालिर जेल से रिहा कर दिया है। जेल के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी में उन्होंने कहा, भारतीय मछुआरों को भारी सुरक्षा के बीच अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस ट्रेन में बिठाया गया, वह लाहौर पहुंचेंगे।

जिसके बाद उन्हें वाघा सीमा पर भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा।

भारतीय मछुआरों के लिए लाहौर की यात्रा की व्यवस्था करने वाले ईधी वेलफेयर ट्रस्ट के फैसल ईधी ने कहा, गरीब पृष्ठभूमि के भारतीय मछुआरे घर लौटने को लेकर खासा खुश थे। वे खुश हैं कि वे जल्द ही अपने परिवार में शामिल होंगे।

पाकिस्तान और भारत नियमित रूप से समुद्री सीमा का उल्लंघन करने के लिए एक-दूसरे के मछुआरों को गिरफ्तार करते हैं, जो कुछ बिंदुओं पर खराब रूप से चिह्नित है।

अमरीका बोला : आतंकी पन्नू की धमकियां स्वीकार्य नहीं, कनाडाई पूर्व मंत्री ने पूछा ; फिर कार्रवाई क्यों नहीं ?

वाशिंगटन। अमरीका नेस फॉर जस्टिस के खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा एयर इंडिया के खिलाफ दी गई धमकियों की निंदा की है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह पूछे जाने पर कि क्या अमरीका को लगता है कि किसी एयरलाइन को धमकी देना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर आतंकवाद का महिमामंडन करना स्वीकार्य है, तो इसके विदेश विभाग के प्रवक्ता ने जवाब दिया है कि हिंसा या हिंसा की धमकी को कभी भी स्वीकार्य नहीं किया जा सकता।

हालांकि कनाडा के पूर्व संघीय मंत्री उज्जवल दोसांझ ने इस पर सवाल करते हुए कहा है कि फिर संयुक्त राज्य अमरीका पन्नू के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करता ? उन्होंने कहा कि एयर इंडिया में उड़ान भरने वाले सिख अमरीकी नागरिक भी हो सकते हैं तो उन्हें आतंकित करने पर पन्नू के खिलाफ मुकदमा क्यों नहीं चलाया जा सकता? दोसांझ ने कहा है कि खालिस्तानी आतंक के सामने अमरीकी और कनाडाई राजनेता समान रूप से नपुंसक और कायर हैं। उनका कहना है कि जब हमास के समर्थन में रैलियां निकाली गईं और हिंसा का महिमामंडन हुआ, तो कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने उस महिमामंडन की निंदा करने में बहुत जल्दी की, लेकिन पन्नू ने जो कहा उसकी निंदा करने में वह खुद को सक्षम नहीं पा रहे थे। दोसांझ ने कहा कि यह मेरे लिए हैरान करने वाला और दुखद घटनाक्रम है कि मेरे प्रधानमंत्री और राजनेता आतंकवाद के महिमामंडन को तब गंभीरता से नहीं लेंगे जब यह एक समुदाय को प्रभावित करता है, वे ऐसा तब करेंगे जब वह दूसरे समुदाय को प्रभावित करेगा। वयोवृद्ध कनाडाई पत्रकार टेरी मिलेवस्की कहते हैं कि कनाडा ने आतंकवादियों के आतंक के मंडन को सामान्य बना दिया हैवयोवृद्ध कनाडाई पत्रकार टेरी मिलेवस्की कहते हैं कि कनाडा ने आतंकवादियों के आतंक के मंडन को सामान्य बना दिया है।

दिवाली का जश्न: अमेरिका में मेयर ने हिंदुओं के साथ मनाया जश्न, ब्रिटेन में कई मंत्री पहुंचे भारतीय दूतावास

तेल अवीव। देश-दुनिया में दिवाली का उत्साह देखने को मिल रहा है। हिंदू अमेरिकी समुदायों ने रोशनी का त्योहार मनाया। इस मौके पर अटलांटा के मेयर आंद्रे डिकेंस भी दिवाली के जश्न और रात्रिभोज में शामिल हुए।

अटलांटा मजबूत और बेहतर

मेयर ने कहा कि यह निर्विवाद है कि अटलांटा मजबूत और बेहतर है। हम आभारी हैं कि हमारे यहां कई अंतरराष्ट्रीय समुदाय हैं और लोगों ने अटलांटा को अपना घर बनाया हुआ है। दक्षिण एशियाई व भारतीय समुदाय अटलांटा की संस्कृति और अटलांटा की अर्थव्यवस्था पर अविश्वसनीय प्रभाव डालते हैं।'

भारतीय उद्यमियों की सराहना

उन्होंने भारतीय उद्यमियों द्वारा अटलांटा की अर्थव्यवस्था में किए गए योगदान की सराहना की, जो हजारों रोजगार लेकर आए। उन्होंने नागरिक अधिकार

आंदोलन में महात्मा गांधी के विशेष योगदान पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जिस तरह गांधी डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के लिए मार्गदर्शक थे। मैं आप सभी को उत्सव की उज्ज्वल शाम और एक अद्भुत दिवाली उत्सव की शुभकामनाएं देता हूं।'

दिवाली मनाकर खुश

उन्होंने कहा, 'हम दिवाली मनाकर खुश हैं। सबसे महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों में से एक दिवाली अंधेरे पर प्रकाश की जीत का जश्न मनाता है।' इस बीच, न्यूयॉर्क राज्य के सीनेटर केविन थॉमस ने बुधवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके पति डग एमहॉफ के साथ दिवाली समारोह में भाग लिया।

ब्रिटेन में भी मना जश्न

पहली बार वेल्स के प्रथम मंत्री और दो सबसे वरिष्ठ मंत्री (स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था) बुधवार को कार्डिफ में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित दिवाली समारोह में शामिल हुए। वेल्स सरकार और भारत के वाणिज्य दूतावास ने मिलकर दिवाली समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर, वेल्स के प्रथम मंत्री मार्क ड्रेकफोर्ड ने अगले वर्ष एक नई वेल्स और भारतीय आर्थिक पहल की योजना की घोषणा की। पॉटकैना में ग्लैमरगन क्रिकेट क्लब में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए 69 वर्षीय लेबर राजनेता ने कहा कि दोनों देशों के बीच और भी अधिक अच्छे आर्थिक तथा सांस्कृतिक संबंध बनाना है। इस बीच उन्होंने अगले साल होने वाली एक योजना का भी खुलासा किया। बता दें, सेंट डेविड डे के मौके पर दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित कई शहरों में अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

इस्राइल रोजाना चार घंटे हमले रोकने को राजी, आईडीएफ ने गाजा के अस्पताल परिसर में की बमबारी

गाजा/यरूशलम। इस्राइल-हमास युद्ध के बीच गाजा में इस्राइली सेना का अभियान जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार की रात इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने गाजा में अल-शिफा अस्पताल परिसर में एक वार्ड पर बमबारी की। जिसमें कई लोगों के हताहत होने की जानकारी सामने आई है। इससे पहले इस्राइली बलों ने गाजा पट्टी के उत्तर में छिपे हमास के आतंकियों वाले क्षेत्र पर गोलाबारी की। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया। वहीं, अमेरिका ने कहा कि इस्राइल

रोजाना चार घंटे हमले रोकने को राजी हो गया है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र

> मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार की रात इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने गाजा में अल-शिफा अस्पताल परिसर में एक वार्ड पर बमबारी की।

मानवाधिकार प्रमुख ने युद्धविराम का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने एक माह में कई युद्ध अपराध किए हैं। हमास शासित क्षेत्र के उत्तर में आतंकियों के गढ़ गाजा सिटी के निवासियों ने कहा कि शहर के चारों ओर से इस्राइली टैंकों ने घेर लिया है। इस्राइली सेना दो अस्पतालों के करीब जाती देखी गई, जहां हजारों विस्थापित फलस्तीनी आश्रय मांग रहे हैं। उसने वहां बुनियादी आपूर्ति खत्म कर दी है, जिससे फलस्तीनी नागरिकों को दवाओं, भोजन और पानी तक मुहैया नहीं हो रहा है। उधर, फ्रांस में 80 देशों व संगठनों ने गाजा में मानवीय सहायता के समन्वय के तरीकों पर बैठक की। बैठक में गाजा के घायलों को चिकित्सा के लिए बाहर निकालने में मदद करने पर विचार भी किया गया।

भारत से रिश्ते सुधारने में जुटा कनाडा, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों में हो रही बातचीत

इस्लामाबाद। भारत और कनाडा के रिश्ते इन दिनों खराब दौर से गुजर रहे हैं। अब कनाडा की विदेश मंत्री मेलिनी जॉली ने कहा है कि वह भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के संपर्क में हैं और दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिश जारी है। मेलिनी जॉली ने कहा कि यह समय दोनों देशों के लिए मुश्किल है क्योंकि दोनों देशों के रिश्ते दशकों से मजबूत हैं। कनाडा की विदेश मंत्री को जापान के टोक्यो में जी7 की बैठक में शिरकत करनी है, उससे पहले मीडिया से बात करते हुए मेलिनी जॉली ने उक्त बातें कहीं।

क्या बोलीं कनाडा की विदेश मंत्री

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कनाडा की विदेश मंत्री से भारत से रिश्तों को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा जब भारत की बात आती है तो यह पहले भी कई बार कह चुकी हैं...वह अपने समकक्ष एस जयशंकर के संपर्क में हैं और हम जानते हैं कि यह हमारे संबंधों के लिए खराब समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि हम इस मुश्किल समय से निकल जाएंगे। हमारे साझा हित हैं और हम मिलकर इसका समाधान निकाल सकते हैं। बीते दिनों भारत ने कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेज दिया था। इस पर मेलिनी जॉली ने कहा

कि कनाडा के राजनयिकों को भारत से इसलिए आना पड़ा क्योंकि भारत ने उनकी राजनयिक प्रतिरक्षा वापस ले ली थी। ऐसे में हम उनकी सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते थे।

भारत-कनाडा विवाद पर कही ये बात

क्या अब कनाडा भारत के बीच का विवाद खत्म हो गया है? इसके जवाब में कनाडाई विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने कनाडा के 41 राजनयिकों को वापस भेजा लेकिन कनाडा बदले की कार्रवाई नहीं करेगा। बता दें कि भारत और कनाडा के रिश्तों में उस वक्त खटास आ गई थी, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने वहां की संसद में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया था। हालांकि भारत ने ट्रूडो के आरोपों को निराधार और बेतुका बताया था। इसके बाद भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को बर्खास्त कर दिया था। हालांकि बीते महीने भारत ने फिर से वीजा सेवाओं को बहाल कर दिया है। बता दें कि बीती 18 जून को कनाडा के सरे में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की गुरुद्वारे की पार्किंग में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हरदीप सिंह निज्जर भारत में वांछित अपराधी था। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर ही भारत कनाडा के रिश्तों में दरार आ गई है।

दिवाली के अवसर पर कनाडा सरकार ने जारी किया विशेष डाक टिकट

टोरंटो। कनाडा की सरकार ने दिवाली के आगमन पर नया डाक टिकट जारी किया। कनाडा में बड़े पैमाने पर हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख समुदाय के लोग दिवाली मनाते हैं और बीते कई सालों से कनाडा सरकार दिवाली के अवसर पर डाक टिकट जारी कर रही है। यह डाक टिकट कनाडा के डाक विभाग ने जारी किया है।

इस डाक टिकट को क्रिस्टीन डो ने डिजाइन किया है और इस पर चित्रकारी रेना चेन ने की है। कनाडा के डाक विभाग ने टिकट जारी करते हुए कहा यह डाक टिकट तोरण से प्रेरित है, जिसे दिवाली के दौरान घरों और मंदिरों के द्वार पर लगाया जाता है। इस डाक टिकट में पीले और संतरी रंगों का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही गेंदे के फूलों और आम के हरे पत्तों को भी दर्शाया गया है। साथ ही दीये भी कनाडा के डाक

टिकट पर दर्शाए गए हैं। यह डाक टिकट एक विशेष बुकलेट में जारी किया गया है, जिसकी कीमत 5.52 कनाडाई डॉलर या करीब 340 रुपये रखी गई है। बता दें कि यह लगातार पांचवां साल है, जब कनाडा के डाक विभाग ने दिवाली के अवसर पर विशेष डाक टिकट जारी किया है। कनाडा में दिवाली के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। कनाडा की संसद में बीते हफ्ते से ही विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बुधवार को भी पार्लियामेंट हिल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कनाडा के विपक्षी नेता पियरे पोलिवरे और कनाडा में भारत के राजदूत संजय कुमार वर्मा आदि शामिल हुए। इस कार्यक्रम का सह-आयोजन कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद टॉड डोहर्टी ने किया था। पार्लियामेंट हिल में नेशनल दिवाली सेलिब्रेशन का इस बार 23वां साल है और साल 2000 से यह आयोजन हो रहा है। बीते रविवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भी दिवाली कार्यक्रम में शामिल हुए। पार्लियामेंट हिल में आयोजित हुए इस कार्यक्रम का आयोजन कैबिनेट मंत्री अनिता आनंद ने किया।

कतर में नौ पूर्व नौसेनिकों की सजा पर भारत ने दायर की अपील, विदेश मंत्रालय ने दिया बड़ा अपडेट

टोरंटो। कतर की एक अदालत द्वारा पिछले महीने भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को सुनाई गयी मौत की सजा के खिलाफ एक अपील दायर की गई है। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि दोहा में भारतीय दूतावास को मंगलवार को बंदी भारतीयों से एक बार फिर राजनयिक पहुंच प्रदान की गई थी और भारत उन्हें सभी कानूनी और राजनयिक सहायता प्रदान करता रहेगा। कतर की 'कोर्ट ऑफ फर्स्ट इंस्टेंस' ने 26 अक्टूबर को भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने इस फैसले को अत्यंत स्तब्ध करने वाला बताया और कहा कि मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार किया जाएगा। जानिए क्या बोले अरिंदम बागची? बागची ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''मामले में पहले ही अपील दायर की गई है।' निजी कंपनी 'अल दहरा' के साथ काम करने वाले इन भारतीय नागरिकों को पिछले साल अगस्त में कथित रूप से जासूसी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय नागरिकों के खिलाफ आरोपों को कतर या भारत के अधिकारियों ने सार्वजनिक नहीं किया है। कतर की अदालत की व्यवस्था पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि वह इस मामले को अत्यंत महत्व दे रहा है और सभी कानूनी विकल्प तलाश रहा है। भारतीय नौसेना के पूर्व कर्मियों के खिलाफ आरोप 25 मार्च को दाखिल किये गये थे और उन पर कतर के कानून के तहत मुकदमा चलाया गया।दरअसल, कतर की एक अदालत ने एक साल से अधिक समय से हिरासत में रखे गए 8 पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को मौत की सजा सुनाई है। जब ये सजा पिछले दिनों सुनाई गई तो भारत सरकार ने सजा पर हैरानी व्यक्त की थी और अपने नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों का पता लगाने की प्रतिज्ञा की। इन अधिकारियों को कतर ने जासूसी के आरोप में 1 वर्ष से अधिक समय से वहीं कैद कर रखा है। बता दें कि इन लोगों में कई ऐसे अधिकारी भी शामिल हैं, जिन्होंने भारतीय नौसेना में रहते हुए प्रमुख भारतीय युद्धपोतों की कमान संभाली थी।

भारती सिंह

के बेटे गोला ने फाइनली कहा मम्मा, कॉमेडियन बोलीं- जब मैं बाहर से आती हूं...

कॉमेडियन भारती सिंह अपने टैलेंट से फैंस को हमेशा इंप्रेस करती हैं, वो यूट्यूब पर भी लगातार एक्टिव रहती हैं. भारती अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स यूट्यूब के जरिए देती हैं. व्लॉग्स में वो बेटे गोला के रूटीन की झलक दिखाती रहती हैं. अब उन्होंने एक व्लॉग शेयर किया है और बताया कि उनके बेटे गोला ने फाइनली मम्मा बोला. दरअसल, भारती और हर्ष का बेटा गोला हमेशा पापा ही बोलता है. भारती जितनी बार भी उसे मम्मी बोलने के लिए कहती वो उतना ही पापा बोलता नजर आता था. भारती लंबे समय से गोला के मम्मा बोलने का इंतजार कर रही थीं और अब उनका इंतजार खत्म हो गया है.

गोला ने भारती को बोला मम्मा

व्लॉग में हर्ष बता रहे हैं कि वो शॉपिंग के लिए जा रहे हैं. भारती और हर्ष गाड़ी में मस्ती करते नजर आते हैं. इसके बाद भारती बताती हैं कि गोला ने पिछले कुछ दिनों से मम्मी बोलना शुरू कर दिया है.भारती कहती हैं... अब मैं बाहर से आती हूं और कहती हूं गोले तो वो बोलता है मम्मा. इसके बाद वो गोला की तरफ कैमरा करती हैं तो वो मग्गा बोलता है. व्लॉग के कैप्शन में भी भारती ने लिखा- आखिरा गोला ने मग्गा बोल दिया.

इसके बाद भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया मॉल में नजर आते हैं. वो वहां पर शॉपिंग करते हैं और फिर गोला के वेक्सिनेशन के लिए हॉस्पिटल जाते हैं.

भारती के काम पर नजर डालें तो उन्होंने अपनी जर्नी स्टैंडअप कॉमेडियन के तौर पर शुरू की. भारती को द कपिल शर्मा शो में भी देखा जाता है. इसके अलावा भारती अपने पति हर्ष के साथ रियलिटी शोज भी होस्ट करता है. टीवी के अलावा वो फिल्म 786, सनम रे और रांची और रानी की प्रेम कहानी में नजर आ चुकी हैं.

तीसरी बार दूल्हा बनने जा रहे अली मर्चेंट की शादी की रस्में शुरू, सामने आईं हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें

एक्टर अली मर्चेंट की ये रिश्ता क्या कहलाता है और लॉकअप जैसे शोज के लिए जाना जाता है. अली इन दिनों हैप्पी स्पेस में हैं. वो जल्द शादी करने वाले हैं. उनकी वेडिंग फेस्टिविटीज शुरू हो गई हैं. एक्टर 2 नवंबर को लखनऊ में अंदलीब जैदी संग निकाह करेंगे.

अली मर्चेंट की हल्दी सेरेमनी

अली मर्चेंट की हल्दी सेरेमनी में क्लोज फ्रेंड्स और फैमिली मेंबर्स शामिल हुए.अली ने इस फंक्शन के लिए येलो कुर्ता और टोपी लगाए हैंडसम दिखे. अली हाथ में गजरा भी पहने दिखे. साथ ही गले में फूलों की माला भी पहनी हुई है. अली फैमिली संग पोज करते भी दिखे. अली के लेहंगे की स्माइल देखते ही बनती है.

बिग बॉस के घर में हुई थी पहली शादी

बता दें कि ये अली की तीसरी शादी है. उनकी पहली शादी एक्ट्रेस सारा खान के साथ हुई थी. ये शादी खूब लाइमलाइट में रही थी. दरअसल, उन्होंने बिग बॉस के घर के अंदर सारा संग शादी की थी. लेकिन उनकी शादी ज्यादा चल नहीं पाई. वो बिग बॉस के घर से बाहर निकलने के 2 महीने बाद अलग हो गए.

5 साल चली दूसरी शादी

इसे बाद अली 2016 में दूसरी शादी की. ये शादी उन्होंने अलम मर्चेंट संग की. अलम संग उनकी शादी 5 साल तक चली. अब वो तीसरी शादी अंदलीब जैदी संग कर रहे हैं. अली ने कुछ समय पहले ही अपनी लव लाइफ के बारे में अनाउंसमेंट की थी. उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड अंदलीब को इंट्रोड्यूस किया था. अंदलीब मॉडल हैं. दोनों सोशल मीडिया के जरिए कनेक्ट हुए थे और हैदराबाद में फैशन शो में पहली बार मिले थे. अली ने सोशल मीडिया पर अपने प्रपोजल की फोटोज शेयर की थी. उन्होंने अंदलीब को दुबई में प्रपोज किया था. अली और अंदलीब बोट में नजर आ रहे हैं. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- उसने हां कहा.

पहले टास्क में भिड़े मुनव्वर-नील, अंकिता हुई परेशान, बोलीं- बिग बॉस घर में खाना नहीं है

बिग बॉस 17 अब धीरे-धीरे इंटरेस्टिंग होने वाला है. शो में फाइनली टास्क होने वाला है. दो हफ्ते के बाद अब शो में टास्क होने वाला है. बिग बॉस ने पहला टास्क अनाउंस किया. ये टास्क राशन के लिए था. सभी घरवालों को अपने-अपने रूम्स के लिए राशन लेना था.इस टास्क के दौरान खूब हंगामा हुआ. सभी लड़ते-झगड़ते नजर आए. मुनव्वर और नील के बीच भी टास्क को लेकर झगड़ा हुआ. सभी घरवाले इधर से उधर भागते नजर आए.

टास्क के बीच बिग बॉस बोलते हैं- क्या हो गया है आप लोगों को. टास्क नहीं पता है क्या. मैं इस कार्य को आगे नहीं बढ़ा रहा हूं और यहीं रोकता हूं. ये सुनकर सभी घरवाले उदास और परेशान हो जाते हैं. वहीं अंकिता उदास होकर बोलती हैं बिग बॉस खाना नहीं है.शो का ये प्रोमो वीडियो कलर्स के सोशल मीडिया पर शेयर किया गया. उन्होंने कैप्शन करके लिखा- सोजन के फर्स्ट राशन टास्क के खेल में, क्या सच में हो जाएंगे कंटेस्टेंट्स फेल?

बता दें कि शो में इन दिनों खानजादी और अभिषेक के बीच में रोमांस देखने को मिल रहा है. दोनों ज्यादा से ज्यादा समय एक-दूसरे के साथ बिता रहे हैं. अभिषेक, खानजादी के हाथ पर किस करते भी दिखे.

ये कंटेस्टेंट हुए नॉमिनेट

वहीं नॉमिनेशन टास्क में कई घरवाले एक-दूसरे से भिड़ते नजर आए. अंकिता और विक्की की सना के साथ जमकर बहस हुई. वहीं ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट की भी अंकिता और विक्की के साथ लड़ाई हुई. बाबू भैया की मनस्वी के साथ झगड़ा हुआ. मनस्वी बाबू भैया के नॉमिनेशन से बहुत हर्ट हो जाती हैं और रोने लगती हैं.

सुष्मिता सेन

ने किया जियाना को बर्थडे विश, इमोशनल पोस्ट लिखकर भतीजी पर ऐसे लुटाया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने अपनी भतीजी जियाना को उनके दूसरे जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर विश किया. एक्ट्रेस ने इंस्टा पर जियाना के साथ एक क्यूट वीडियो शेयर करते हुए भतीजी पर खूब प्यार लुटाया. जियाना, सुष्मिता के भाई राजीव सेन और टीवी एक्ट्रेस चारू असोपा की बेटी हैं.

सुष्मिता सेन ने किया जियाना को बर्थडे विश

बता दें कि सुष्मिता के भैया-भाभी ने एक-दूसरे से तलाक ले लिया है और अब दोनों ही जियाना की परवरिश कर रहे हैं. चुआ सुष्मिता ने एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें उनके और प्यारी ज़ियाना के बीच बेहद अच्छी बॉन्डिंग दिखाई दे रही है.

इमोशनल पोस्ट लिखकर भतीजी पर ऐसे लुटाया प्यार

सुष्मिता सेन और जियाना इस वीडियो में एक लॉन्ग ड्राइव का आनंद ले रहे हैं, कार के सनरूफ से अपना सिर बाहर निकालकर खड़े हैं, दोनों हवा का पूरा आनंद ले रहे हैं. इस वीडियो को अपलोड करते हुए, सुष्मिता सेन ने एक कैप्शन लिखा, जिसमें लिखा है, हैप्पी बर्थडे जियाना !!! आप हमेशा आगे बढ़ो और दुनिया पर राज करो. जियाना को दूसरा जन्मदिन मुबारक हो. भगवान आपको हमेशा अपना आशीर्वाद दें. भगवान तुम्हें हमेशा बेहतरीन आशीर्वाद दें. हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं!!!

उन्होंने ये भी कहा, जब आप हमारी अगली ड्राइव के लिए तैयार हों तो मुझे बताएं...चुआ हमेशा तैयार!!! चारु असोपा इस खूबसूरत पोस्ट को देखकर बहुत खुश हुई. सुष्मिता सेन ने जो वीडियो अपलोड किया है वह उनकी बेटी अलीसा के जन्मदिन का है. इस मौके पर फैंस ने भी नन्हीं जियाना को जन्मदिन

की शुभकामनाएं भी दीं.

एक अच्छा इंसान बनना अपनी आंतरिक शांति के लिए :रूपा पाई

ग्वालियर। सिंधिया स्कूल दुर्ग में छठवीं सिंधिया स्कूल लिटरेचर फेस्टिवल का दूसरा दिन था और आज की पहली वक्ता थीं सुश्री रूपा पाई जिन्होंने अपनी पुस्तक ÷द योग सूत्र के बारे में छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धर्म क्या है? हिंदू धर्म या भारतीय दर्शन की देखभाल क्या है? हम अपने मन को शांत करने के लिए, अपने शरीर को शांत करने के लिए, इसे शांत करने के लिए क्या कर सकते हैं। कैसे योग सूत्र ने हमारे मन को शांत करने और हमें शांति दिलाने में मदद की। एक अच्छा इंसान बनना स्वर्ग में जगह पाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक शांति के लिए है।मन को शांत करने का कदम किस प्रकार अपनी कमियों को स्वीकार करने से शुरू होता है, अपने विचारों को सही, गलत, कल्पना और स्मृति में विभाजित करना और सही को छोड़कर बाकी सभी चीजों को बाहर निकालना क्योंकि बाकी अभी कोई मायने नहीं रखता। शांत मन के लिए कदमों में शामिल है-अपने कार्यों, शब्दों और विचारों में अहिंसक होना। इन्हें पूर्ण रूप से प्राप्त करने में व्यक्ति को काफी समय लग जाता है। सभी प्राचीन ग्रंथ हमें बताते हैं कि एक बेहतर इंसान कैसे बनें, एक अच्छा इंसान, उदार, दयालु और धैर्यवान कैसे बनें, लेकिन ये सभी हमारे दिमाग के लिए खुद को बेहतर बनाने के लिए हैं और ये सभी शांति के लिए हमारे दिमाग को शांत और शांत करने के लिए हैं। लेखिका को उप प्राचार्या सुश्री स्मिता चतुर्वेदी द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार उनके भाषण के साथ सत्र का समापन हुआ। दूसरा सत्र था लेखिका मेघा गुप्ता का जिन्होंने एक दशक से अधिक समय तक भारतीय बच्चों के प्रकाशन में काम किया है। वह ग्रीन लिटरेचर फेस्टिवल में युवा कार्यक्रम की प्रमुख हैं और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में नए लेखकों के लिए प्रकृति लेखन पर एक पाठ्यक्रम का संचालन करती हैं। उनके ज्ञानवर्धक सत्र में छात्रों ने स्वतंत्र भारत को नई रोशनी में देखा। सुश्री मेघा गुप्ता ने बताया कि उनकी नई किताब ÷आफ्टर मिडनाइट÷ इस बारे में बात करती है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत का क्या हुआ। उन्होंने संविधान से लेकर वर्तमान चुनावों तक, ब्रिटिश आक्रमण से लेकर भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों और विश्व युद्ध से लेकर शीत युद्ध तक सभी विषयों को छुआ।उनके पास पहले चुनाव, पहले मोबाइल फोन, इंटरनेट की खोज, विकास और प्रदूषण और मिलेनियम बग के अर्थ के बारे में सुनने और जानने के लिए उनकी रुचि जगाने वाले सभी विषय थे। लेखिका बच्चों के सामान्य ज्ञान और जिज्ञासा से बहुत प्रभावित हुई । बच्चे यह जानकर आश्चर्यचकित रह गए कि भारत 2018 में ही पूरी तरह से विद्युतीकृत हो गया। उन्हें एहसास हुआ कि

जिस दुनिया को वे जानते हैं वह वास्तविक दुनिया से एक इंच भी अलग नहीं है। उनके पास अपने देश के बारे में सीखने के लिए बहुत कुछ है। इस सत्र से उन्हें यह समझने और स्वीकार करने में मदद मिली कि एक देश के रूप में हम कितना आगे आ गए हैं और साथ ही यह एहसास भी हुआ कि अभी भी क्या करने की जरूरत है।लेखिका को वाणिज्य विभाग के अध्यापक श्री सुमित चक्रवर्ती द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार उनके भाषण के साथ सत्र का समापन हुआ।तीसरा सत्र साहित्य अकादमी सम्मान से सम्मानित,बच्चों के लिए 35 से अधिक पुस्तकें लिखने वालीं सुश्री पारो आनंद का था जिसमें उन्होंने अपनी पुस्तकों बीइंग गांधी और द अदर से सभी का दिल जीत लिया! उन्होंने अपनी लेखन शैली के बारे में बात की. उन्होंने खासतौर पर अपनी किताब द अदर के बारे में बात की। दर्शकों के लिए कुछ पेज पूरी नाटकीयता से पढ़ने के बाद उन्होंने पहले ही एक स्पष्ट छाप छोड़ दी थी! उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे हमेशा कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो अन्य होता है, जो समूह से अलग हो जाता है और जो अपने रूप में पहचाना नहीं जाता है। उन्होंने ज़ोर से और गर्व से बात की कि कैसे लोगों को अपनी मानसिकता बदलने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि जो द अदर है, यह एक पुरुष है, एक महिला है, यह कोई भी हो सकता है! यह सत्र वास्तव में सबसे प्रेरणादायकसत्रों में से एक था! लेखिका को विज्ञान विभाग के अध्यापिका सुश्री निहारिका कुलश्रेष्ठ द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार उनके भाषण के साथ सत्र का समापन हुआ। चौथा सत्र प्रसिद्ध लेखक व समाज सुधारक श्री एस हरिहरन का था। जिन्होंने -अपनी पुस्तक ÷रनअवे चिल्ड्रन÷ पर अपने विचार व्यक्त किए । उन्होंने बताया कि किस प्रकार वे एक बार रूठ कर घर से भाग गएऔर जब उन्होंने घर से भागने वाले बच्चों की स्थिति देखी तो यह तय किया कि उनकी समस्या को हल करने के लिए कोई न कोई उपाय निकलेंगेऔर फिर उन्होंने सेवा कार्य करने वाले एक गैर सरकारी संस्था की शुरुआत की। इस उपन्यास की कहानी इसी के इर्द गिर्द घूमती है।उन्होंने बताया कि किस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है,स्वास्थ्य सबसे महत्व पूर्ण होता है इसलिए अपना ध्यान रखना बहुत आवश्यक है। लेखक को हिंदी विभाग के अध्यक्ष श्री मनोज मिश्रा द्वारा उन्हें शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इस प्रकार उनके भाषण के साथ सत्र का समापन हुआ।इस अवसर पर एक पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई है जहां बच्चों ने इन लेखकों के पुस्तकों पर उनके ऑटोग्राफ लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया7 इस अवसर पर सिंधिया स्कूल के प्राचार्य श्री अजय सिंह वह उप प्राचार्या सुश्री स्मिता चतुर्वेदी के अतिरिक्त, सिंधिया स्कूल के गतिविधि प्रभारी धीरेंद्र शर्मा,अध्यापकगण तथा छात्रगण उपस्थित रहे।

ग्वालियर में दिनदहाड़े युवती का अपहरण, दो बाइक सवारों ने जबर्दस्ती उठाया

ग्वालियर में युवती का दिनदहाड़े अपहरण का मामला सामने आया है। दो बाइक सवार कॉलेज छात्रा को उठा ले गए। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।जानकारी के मुताबिक भिंड जिले में असवार थाना क्षेत्र के बरहा गांव की रहने वाली छात्रा का ग्वालियर के झांसी रोड बस स्टैंड से अपहरण हुआ है। युवती सेवढ़ा कॉलेज की छात्रा है। बताया जा रहा है कि युवती परिजनों के साथ बस से सुबह करीब साढ़े 9 बजे पहुंची थी। परिजन बस से सामान उतार रहे थे, तभी युवती पेट्रोल पंप के समीप बच्चे को टॉयलेट कराने ले गई थी। तभी बाइक पर सवार दो बदमाश पेट्रोल पंप पर पहुंचे और जबरदस्ती युवती को उठा लिया। वे उसे बाइक पर बैठाकर भाग निकले। ये पूरी घटना पेट्रोल पंप के सीसीटीवी में कैद हो गई। परिजनों ने झांसी रोड थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं।

मौजूदा साल की अंतिम नेशनल लोक अदालत 9 दिसंबर को

ग्वालियर । मौजूदा साल की चौथी एवं अंतिम नेशनल लोक अदालत शनिवार 9 दिसंबर को आयोजित होगी। कार्यपालिक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार यह लोक अदालत लगाई जा रही है। ग्वालियर जिले के अंतर्गत प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर श्री पी सी गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय ग्वालियर, परिवार न्यायालय, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता फोरम व रेलवे कोर्ट ग्वालियर सहित सिविल न्यायालय डबरा और भितरवार में नेशनल लोक अदालत आयोजित की जाएंगी। नेशनल लोक अदालत द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों का निराकरण आपसी सुलह-समझौते अर्थात राजीनामे के आधार पर किया जायेगा। इन प्रकरणों में

आपराधिक प्रकरण, परक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत चेक बाउंस प्रकरण, बैंक रिकवरी संबंधी मामले, एमएसीटी (मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण) के मामले, वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद व भूमि अधिग्रहण के प्रकरण शामिल हैं। साथ ही बिजली और पानी के बिल संबंधी प्रकरण (चोरी के मामलों को छोड़कर), सेवा मामले जो सेवानिवृत्त से संबंधित है इत्यादि प्रकरणों का निराकरण भी किया जायेगा। इसके अलावा राजस्व प्रकरण (जिला न्यायालय और उच्च न्यायालयों में लंबित), दीवानी मामले और विद्युत संबंधी मामलों सहित बैंक रिकवरी, जलकर, संपत्तिकर, विधुत चोरी आदि से संबंधित पूर्ववाद (प्रीलिटिगेशन) से संबंधित राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामे में समझौते के आधार पर होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर ने पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने राजीनामा योग्य लंबित और पूर्ववाद (प्रीलिटिगेशन) प्रकरण को उक्त नेशनल लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझौते से राजीनामा के आधार पर निराकृत कराएँ। साथ ही नेशनल लोक अदालत के लिए जारी की गई छूट का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।

ऑनलाइन व ऑनबोर्ड सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन की सिखाई बारीकियाँ

ग्वालियर । विभिन्न विभागों के जिले के लोक सूचना अधिकारियों ने ई-सर्विस पोर्टल के माध्यम से सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन की बारीकियाँ सीखीं। संभाग आयुक्त दीपक सिंह के निर्देश पर सोमवार को यहाँ बाल भवन में आयोजित हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के लोक सूचना अधिकारियों को ई-सर्विस पोर्टल पर ऑन बोर्ड / ऑनलाइन सूचना के अधिकार की कार्यवाही संपादित करने की बारीकियाँ सिखाई गईं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर आर ए प्रजापति व डिप्टी कलेक्टर सूर्यकांत त्रिपाठी सहित मैप आईटी के अधिकारियों ने यह प्रशिक्षण दिया। ऑनलाइन व ऑफलाइन प्राप्त सूचना के अधिकार से संबंधित आवेदनों पर कार्यवाही करने की प्रक्रिया, आवेदक को भुगतान की सूचना देना, आवेदक को जानकारी से अवगत कराना, प्रतिलिपि देना और ऑनलाइन सूचना प्रदान करने की प्रक्रिया सहित सूचना के अधिकार से संबंधित तमाम बारीकियाँ प्रशिक्षण के दौरान विस्तारपूर्वक बताई गईं। साथ ही सभी लोक सूचना अधिकारियों से कहा गया कि शासकीय विभागों के कार्यालयों में ई-सर्विस पोर्टल पर 15 दिवस में ऑन बोर्ड/ऑनलाइन कार्यवाही की जाना है। यदि ऑनलाइन / ऑनबोर्ड यूजर बनाने में किसी प्रकार की कठिनाई हो तो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मध्यप्रदेश की मैप आईटी शाखा में विनय पाण्डे मोबा. 94251-80624, शिशिर मोबा. 99073-60751 एवं फ्रेंक के मोबा. 94074-57130 पर संपर्क किया जा सकता है।

बजरंग भक्त मंडल ने गोपाष्टमी पर लगाया 400 किलो हरे चारे का गौभोग

बजरंग भक्त मंडल द्वारा विगत चार वर्षों से मार्क हॉस्पिटल गौशाला गोला का मंदिर में प्रति सप्ताह की जाने वाली गौभोग सेवा के क्रम में आज गोपाष्टमी के पावन पर्व पर मंडल के दानदाता एवं गौसेवको के सहयोग से 400 किलो हरे चारे की गौभोग सेवा की गई।आज की सेवा में 100 किलो हरे चारे की सेवा गुप्त रूप से मुरैना वालो द्वारा,100 किलो हरे चारे की सेवा गुप्तरूप से खासगी बाजार वालो द्वारा ,100 किलो हरे चारे की सेवा हिमांशु बघेल द्वारा,100 किलो की सेवा सिद्धार्थ गुप्ता एवं नमन अवस्थी द्वारा, कुल 400 किलो हरे चारे की सेवा की गई। मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल ने बताया कि गपष्टमी पर स्वयं भगवान कृष्ण ने भी गौमाता की सेवा एवं पूजन किया है।सनातन धर्म अनुसार गौमाता में समस्त देवी देवताओं का निवास होने से प्रत्येक सनातनी व्यक्ति को गौसेवा हेतु आगे आना चाहिए। गौ सेवा में मंडल अध्यक्ष आशीष मंगल,कोषाध्यक्ष राम किशोर मंगल,उपाध्यक्ष अमन गर्ग,कार्यकारिणी सदस्य विशाल अग्रवाल,नमन अवस्थी,हिमांशु बघेल,दीपक बघेल, आदि सदस्य मौजूद थे।

कश्मीरी बाजार में आकर बढ़ाएं शिल्पियों का हौसला : शेजवलकर

ग्वालियर। मेला के दस्तकारी हाट परिसर में अटल ज्योति सांस्कृतिक मंच द्वारा पहली बार आयोजित किए जा रहे कश्मीरी बाजार का रविवार की शाम रंगारंगा आगाज हुआ। सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने फीता काटकर इसका विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर बच्चों ने एक से ब?कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पहले दिन मेला में काफी तादाद में सैलानी पहुंचे। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार केशव पांडे, मेला संयोजक कृष्णकांत समाधिया, योगेश शर्मा, कल्पी पंडित प्रमुख रूप से मौजूद रहे।इस मौके पर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि इस तरह के आयोजन सांस्कृतिक आदान प्रदान के साथ देश के विभिन्न प्रांतों को शिल्पकारों को बाजार उपलब्ध कराते हैं। जैसा की नाम से प्रतीत होता है कश्मीरी बाजार,यहां कश्मीरों उत्पादों की भरमार नजर आ रही है। सीजन के

मुताबिक यहां जो हस्तनिर्मित गर्म कप? लाए गए हैं, उनकी खूबसूरती भी सबको लुभा रही है। मैं शहरवासियों के आह्वान करूंगा कि वे यहां जरूर आएं और जरूरत और पसंद के मुताबिक जरूर कुछ लेकर जाएं, जिससे देश के अनेक प्रांतों से आए शिल्पकारों को होंसला बढेगा और वे आगे से और भी अच्छे उत्पाद हमारे शहर में लेकर आएंगे। वरिष्ठ पत्रकार केशव पांडे ने कहा कि अनेकता में एकता भारत की संस्कृति की विशेषता है, जिसके दर्शन यहां होते हैं। कश्मीरी उत्पाद इस मेला को खास बनाते हैं, जो आमतौर पर बाजार में उपलब्ध नहीं होते हैं। शहर के सैलानी इसका भरपूर फायदा उठाएंगे, ऐसी मुझे आशा है। इस मौके पर मेला संयोजक कृष्णकांत समाधिया ने कहा कि पहली बार दस्तकारी हाट परिसर में कश्मीरी बाजार लगाया गया है और खुशी की बात यह है कि पहले ही दिन से ग्वालियरवासी इसे पसंद कर रहे हैं।

ये उत्पाद हैं खास-कश्मीरी शिल्प जैसे पश्मीना सूट, शॉल, स्वेटर, ब्लेजर, लोई एवं कश्मीरी कावा, ड्राई फ्रूट, खादी ग्रामोद्योग से पंजीकृत बुनकर खादी के ड्रेस मटेरियल, खादी कुर्ता लेडीज खादी सूट एवं कलकत्ता के जुट बेग, बंगाल के ड्राई फ्लॉवर, बनारसी सिल्क एवं चंदेरी बाग प्रिंट सा?यां, खुजाज़ की क्रॉकरी, मुरादाबाद के पीतल की मूर्तियां, टेराकोटा आर्ट, सहारनपुर शीशम फनीचर, पंजाब की फु लकारी, जयपुरी मोज?ी, राजस्थान अचार चूर्ण पाप?, सेरेमिक क्राफ्ट, उत्तरप्रदेश भदोई की सुप्रसिद्ध कालीन, लक?ी के खिलौने, लखनवी चिकिन वर्क, दिल्ली, मुंबई, गुजरात एवं जयपुर की ज्वेलरी एवं हैंडलूम एव हैंडी क्राफ्ट के अनगिनत उत्पाद यहां सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

पंजाबी परिषद का दीपावली मिलन एवं अन्नकूट संपन्न

आयोजन में 18 युवा उद्योगपति विभूतियां हुई सम्मानित

ग्वालियर। पंजाबी परिषद समिति ग्वालियर द्वारा आज 19 नवंबररविवार को महावीर भवन कंपू मेंदीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट का आयोजन रखा गया जिसमें समाज की 18 युवा उद्योगपति विभूतियां को सम्मानित किया गया7 जिसमें पंजाबी परिषद समिति समिति के मुख्य परामर्शदाता कुलबीर भारद्वाज अध्यक्ष अशोक मारवा प्रमिला मारवा सचिव जीकेसूरी वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र बेदी उपाध्यक्ष एवं स्वागत संयोजक अजय सप्रा भावना सपरा कार्यक्रम संयोजक जीके सूरी रश्मि सूरी ,दिनेश भल्ला उषा भल्ला , सिम्मी अजीत कुकरेजा रम्मी आनंद साकेत आनंद समाजसेवी दुष्यंत साहनी, मनोहर लाल भल्ला ,जयवीर भारद्वाज, रामकुमार चोपड़ा, उपाध्यक्ष अनिल शर्मा डॉक्टर राहुल सपरा, राजपाल खुराना ,सुरेंद्र कोहली अनिल मलिक, केवल कृष्ण सूरी, अनिल कपूर अनीता कपूर

आदि ने समाज की 18 युवा उद्योगपति विभूतियों का सम्मान किया सम्मानित होने वाली विभूतियों के नाम वीणा भारद्वाज, ष्ट प्रभात चोपड़ा, नितिन झाम ,बृजेश ढींगरा, सुधांशु भारद्वाज ,पंकज मरवाह, उर्वशी मारवा, प्रवेश जी गौरव खुराना ,चिराग मलिक , रोहित सपरा, अमित सूरी, कपिल भल्ला ,निखिल अरोरा, नानक कोहली,गगन भल्ला, अमित भसीन चकछू आनंद, सनित कुकरेजा एवं मीडिया प्रभारी राजू पंडित एवं रजनी शर्मा को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजीव छाब?ा नवीना मिड्ढा, डॉ संदीपा मल्होत्रा,तिलक राज बेरी, राकेश शर्मा महेंद्र खत्री श्याम भला उषा भल्ला सुमन चावला रीता सुनीता शर्मा रीता मल्होत्रा ममता भल्ला प्रतिभा रैली समिति के कोषाध्यक्ष आत्म प्रकाश मोंगिया अशोक पाल चाचा देवेंद्र अरोड़ा सुरेंद्र जुनेजा कश्मीरी लाल बत्रा सहितपंजाबी समाज की समस्त बिरादरियों के प्रमुख एवं पंजाबी समाज के 1100 परिवार सहित भारी संख्या में दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट में शामिल हुए प्रसादी ग्रहण कर एक दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी समिति के प्रमुख परामर्शदाता ने सभी को दीपावली पर्व की बधाई देते हुए बताया ऐसे आयोजन से समाज मैं एकता एवं मजबूत बनता है7

मालामाल हो जाओ, तो भी माला मत भूलो : मां कनकेश्वरी

ग्वालियर। करौलीमाता मंदिर में आयोजित हो रही श्रीमद्देवी कथा के तीसरे दिन कथा का अमृत प्रवाह करते हुए मां कनकेश्वरी ने कहा कि सुख में तप जरूरी है। दुख में तो साधनों के आभाव में स्वत: ही तप हो ही जाता है। इसलिए मालामाल हो जाओ तो भी माला फेरना मत भूलो। इस मौके पर महामंडलेश्वर कपिल मुनि महाराज, वृंदावन से आए महामंडलेश्वर राधिका दास, अण्णा महाराज प्रमुख रूप से मौजूद रहे।मां कनकेश्वरी ने कहा कि सनातन को समझने देवी भागवत को समझना अनिवार्य है। इसमें महाभारत, श्रीमद्भागवत, रामकथा, शिवपुराण सहित अन्य सभी पुराण समाहित हैं। यदि आप सभी पुराणों की कथा कराना चाहते हो तो देवी कथा करा लो। श्रीमद्भागवत में राधानाम का उल्लेख नहीं हैं,लेकिन देवी भागवत में राधानाम भी आता है। व्रत,श्राद्ध, तप की महिमा, गायत्री की महिमा इसमें विद्यमान हैं। संसार में ऐसा कोई कार्य नहीं, जो कि देवी भागवत के संकल्प से पूर्ण न हो। देवी आराधना से बुरे गृहों का प्रभाव भी नष्ट हो जाता है। ये गृह,पितृ, देव, स्थान दोष देवी साधना से दूर हो जाते हैं,लेकिन देवी की साधना का अधिकार सिर्फ उसी को होता है,जिस पर गुरू की कृपा हो, जो गुरू के प्रति समर्पण और सेवा से ही संभव है। जब तक अंतकरण शुद्ध नहीं, तब तक हम सिद्धियां प्राप्त नहीं कर सकते हैं। अंतकरण के विचारों की शुद्धता के बगैर साधना करोगे,तो कोई फल नहीं मिलेगा। इसके लिए भोजन सात्विक और दृव्य पवित्र होना चाहिए, अन्यथा साधना परिणाम नहीं देगी। साधना के पीछे यदि गुरू का फल होगा तो सिर्फ एक बार राम बोल देने से ही अभीष्ट की प्राप्ति हो जाएगी।उन्होंने बताया कि साधना करते में यदि दृष्टि संसार में चली गई तो संसार की वासना उत्पन्न हो जाएगी। अधिक भोजन एवं अधिक निद्रा भी साधना में वाधक होती है, इसलिए साधना के दौरान संतुलित भोजन जरूरी है। उन्होंने कहा कि भजन करने वाले साधुओं को किसी की गृहस्थी में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए,क्योंकि जो संसार में डूबा रहता है वो सही गलत का आंकलन नहीं कर पाता है। वे बोली कि समस्या जितनी निकट नहीं जितना कि समाधान निकट है,लेकिन दृष्टि लक्ष्य पर न हो तो साइकिल चलाना भी मुश्किल हो जाती है। उन्होंने बताया कि हम जिस देवता की साधना करते हैं अपना चिंतन मनन उसी में लगाकर मन में एक उसका आकार बना लेते हैं।हम उस निराकार सत्ता को आकार देते हैं,जिसमें हमारे मन का विश्राम होता है, वहां से मन निराकार चेतना में चला जाता है।मां कनकेश्वरी ने कथा के दौरान कहा कि ज्ञानी के पास चलो जाओ तो वह आपको अज्ञानी साबित करने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा देगा, जबकि गुरू शिष्य के अधूरेपन से नाराज नहीं होते हैं

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478